RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 फातिमा ने कास्टिंग काउच...

वर्ष : 27 अंक : 189 website:www.chetnamanch.com नोएडा, रविवार, 29 जून, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

उत्तरकाशी में बादल फटने से मची तबाही

मलबे में दबे मजदूर, 9 लापता, 10 सुरक्षित निकाले, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

- सीएम धामी ने दिए राहत तेज़ करने के निर्देश
- उत्तराखंड में अगले तीन दिन भारी बारिश का रेड अलर्ट

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री हाईवे पर सिलाई बैंड के पास शनिवार देर रात बादल फटने की घटना में भीषण तबाही मच गई। इस हादसे में एक निर्माणाधीन होटल की साइट पूरी तरह से तबाह हो गई, जिससे वहां रह रहे कई मजदूर लापता हो गए। प्रशासन और एसडीआरएफ ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। घटना की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों से तत्काल रिपोर्ट मांगी और रेस्क्यू ऑपरेशन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

देर रात करीब 12 बजे हुई इस घटना के समय कई मजदूर टेंट में सो रहे थे। बड़कोट थाना अध्यक्ष दीपक कठेत ने बताया कि तेज सैलाब की चपेट में आने से कई लोग बह गए। 19 मजदूरों में से 10 को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि 9 मजदूरों की तलाश जारी है, जिनमें 5 नेपाली मूल के, 3 देहरादून निवासी और एक उत्तर प्रदेश का है। डीएम प्रशांत आर्य ने बताया कि रेस्क्यू टीम लगातार मलबे में फंसे लोगों की तलाश में लगी है। 10 सुरक्षित मजदूरों को प्रशासन ने पालीगाड़ पहुंचाकर घर भेज दिया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट कर घटना को दुखद बताया और कहा कि एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और अन्य टीमें मौके पर तैनात हैं। उन्होंने कहा, मैं स्वयं इस घटना की मॉनिटरिंग कर रहा हूं और सभी संबंधित अधिकारियों से लगातार संपर्क में हूं।

आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि सेना और पुलिस के जवानों के साथ कुल 15 लोग रेस्क्यू में लगे हैं और 45 से अधिक लोग रास्ते में हैं। लेकिन भारी मलबे और दुर्गम रास्तों के चलते मशीनें मौके पर नहीं पहुंच पा रहीं, जिससे बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आ रही हैं। संभावना है कि कुछ मजदूर मलबे में दबे हैं या फिर चट्टानों व नदी में बह गए हैं।

बादल फटने के बाद यमुनोत्री हाईवे पर सिलाई बैंड, ओजरी और डाबरकोट के पास सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

एनएच की टीमें मार्ग खोलने में जुटी हैं, लेकिन हालात चुनौतीपूर्ण हैं। ओजरी के पास सड़क पूरी तरह बह गई है, और कई खेत मलबे से भर गए हैं। स्याना चट्टी क्षेत्र के कुपड़ा-कुनसाला मोटर मार्ग पर पुल के पास भारी बोल्डर गिरने से यमुना नदी का प्रवाह रुक गया है, जिससे अस्थायी झील बनने लगी है। स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। जयपाल सिंह रावत नामक स्थानीय निवासी ने बताया कि झील का पानी होटल की सीढ़ियों तक पहुंच गया है।

चारधाम यात्रा 24 घंटे के लिए स्थगित

इसी बीच मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों- देहरादून, बागेश्वर, नैनीताल, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी में भारी बारिश और भूस्खलन की चेतावनी जारी की है और चारधाम यात्रा को अगले 24 घंटों के लिए स्थगित कर दिया है. वहीं, उत्तरकाशी के यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर श्याना चट्टी के पास झील बनने से निचले इलाकों में खतरा बढ़ गया है. यमुनोत्री राष्ट्रीय तीर्थ के श्याना चट्टी झील के पास बनने से नासिक में खतरा बढ़ा गया.

गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय ने कहा कि यात्रा पर रोक के चलते ऋषिकेश पहुंचे श्रद्धालुओं को वहीं रोका गया है. बद्रीनाथ और केदारनाथ के लिए जो श्रद्धालु ऋषिकेश से आगे निकल गए हैं. उन्हें पौड़ी के श्रीनगर या रुद्रप्रयाग में रोका जा रहा है. यमुनोत्री और गंगोत्री जाने वाले श्रद्धलुओं को देहरादून के विकासनगर और उत्तरकाशी के बड़कोट, उत्तरकाशी शहर में रोक जाएगा जो यात्री इस वक्त चारधाम में दर्शन कर रहे हैं या पहुंच गए हैं, उन्हें पूरी सुरक्षा के तहत नीचे लाने के आदेश दिए गए हैं।

पुरी रथ यात्रा में भगदड़ : तीन श्रद्धालुओं की मौत, कई घायल

पुरी (ओडिशा)। भगवान जगन्नाथ की विश्वविख्यात रथ यात्रा के दौरान आज सुबह पुरी में श्री गुंडिचा मंदिर के पास अचानक भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और छह से अधिक गंभीर रूप से घायल हो गए। करीब 50 अन्य श्रद्धालुओं को भी चोटें आई हैं। हादसा उस वक्त हुआ जब भारी संख्या में श्रद्धालु रथ खींचने के बाद सरधाबली क्षेत्र में दर्शन के लिए उमड़ पड़े।

पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ एस. स्वैन के अनुसार, यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा सुबह लगभग 4 बजे हुआ। रथ गुंडिचा मंदिर पहुंच चुका था और हजारों की संख्या में लोग रथ के दर्शन के लिए जुटे थे। अचानक भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ की स्थिति बन गई।

ओडिशा के विधि मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने हादसे को लेकर बयान जारी करते हुए कहा, यह एक बेहद दुखद घटना है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दम घुटने और अनियंत्रित भीड़ के दबाव से लोगों की जान गई। उन्होंने कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है और श्रद्धालुओं को सुरक्षित दर्शन कराए जा रहे हैं।

मंत्री ने बताया कि उन्होंने इस मामले में मुख्यमंत्री से चर्चा की है और डीजीपी को मौके पर भेजा गया है। वह स्वयं भी पुरी जा रहे हैं और हालात की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि घटना की पूरी जांच होगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हादसे में जान गंवाने वाले बसंती साहू (बोलागढ़), प्रेमकांत मोहंती, प्रवाती दास (बालिपटना) श्रद्धालुओं की पहचान की गई है। तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस मुठभेड़ में मोबाइल चोर के पैर में लगी गोली

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने चेकिंग के दौरान मोबाइल फोन चोर/स्नेचर बदमाश से मुठभेड़ के बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस और बदमाश के बीच यह मुठभेड़ बीती रात हुई, जिसमें गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। मौके से उसके कब्जे से पांच चोरी/स्नैच किए गए मोबाइल फोन, एक चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध तमंचा बरामद हुआ है।

थाना सेक्टर-20 क्षेत्र में टीम संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार युवक को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया।

पुलिस ने घायल बदमाश को तत्काल कस्टडी में लेकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पूछताछ के दौरान उसकी पहचान वसीम निवासी गाजियाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 5 मोबाइल फोन, एक चोरी की मोटरसाइकिल, एक देसी तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। बदमाश के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

जीएल बजाज कॉलेज के बाहर तीन कारों से खतरनाक स्टंट

भाजपा झंडा लगी ब्रेज़ा भी शामिल, वीडियो वायरल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित जीएल बजाज कॉलेज के बाहर तीन कारों से किए गए खतरनाक स्टंट का वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो में एक कार पर भाजपा का झंडा भी साफ नजर आ रहा है, जिससे मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है।

वीडियो में देखा गया कि ब्रेजा कार का चालक तेज रफ्तार में ओवरटेक कर अचानक ब्रेक लगाता है, वहीं उसी कार से एक युवक खिड़की से बाहर निकलकर हाथ लहराता हुआ नजर आता है। दूसरी कार, जो कि बलेनो है, उसमें सवार युवक खिड़की से डंडा लहराते हुए दिख रहा है। तीसरी कार का चालक ज़िगज़ैग ड्राइविंग करता नजर आता है, जिससे सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों की जान को गंभीर खतरा हुआ।

बताया जा रहा है कि यह वीडियो इंस्टाग्राम रील के रूप में बनाया गया था और बैकग्राउंड में तेज म्यूजिक और एक पॉपुलर गाना जोड़ा गया, ताकि इसे ज्यादा से ज्यादा वायरल किया जा सके। इस रील को देखते ही देखते हजारों व्यूज़ मिल चुके हैं।

वायरल वीडियो के बाद ग्रेटर नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने संज्ञान लेते हुए वीडियो में दिख रही गाड़ियों की नंबर प्लेट के आधार पर पहचान शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही चालकों पर चालान और अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि इस तरह के स्टंट न केवल मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन हैं, बल्कि यह आम जनता की जान के साथ सीधा खिलवाड़ है।

दिव्यांग बच्चों को समर्पित 'क्षितिज की गूंज' कार्यक्रम का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए 28 जून को 'क्षितिज की गूंज' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद डॉ. महेश शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर किया।

इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष डॉ. महिपाल सिंह ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना संस्था का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में प्रयागराज, नोएडा, देहरादून, गुड़गांव व गाजियाबाद से जुड़े पुनर्वास संस्थानों की सहभागिता रही।

सांसद ने संस्था की वार्षिक पत्रिका का विमोचन किया और बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों को सराहा। डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव ने AMC (Arthrogryposis Multiple& Congenita) जैसी जन्मजात समस्याओं पर जानकारी दी।

कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों, चिकित्सकों और विशेष अतिथियों को सम्मानित किया गया। संचालन ग्रंथ व सौम्या ने किया, अंत में डॉ. सुष्मिता भाटी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश मंत्री

नोएडा (चेतना मंच)। विश्व हिंदू महासंघ (गौरक्षा प्रकोष्ठ), उत्तर प्रदेश में गौ सेवा एवं गौ रक्षा का कार्य कर रहे पूर्व मेरठ मंडल प्रभारी शैलेन्द्र सिंह राघव को प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण दुबे ने श्री राघव से अपेक्षा जताई है कि वे उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में गौ सेवकों की एक सक्षम टीम बनाने में अपनी पूर्व अनुभव की अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि आपके द्वारा देश में किए गए गौ माता की सेवा एवं संरक्षण संबंधी कार्य, अनुभव और मार्गदर्शन से सीएम योगी आदित्यनाथ की गौ सेवा एवं सुरक्षा से जुड़ी अति महत्वाकांक्षी योजनाओं को विशेष बल मिलेगा। आप इस अभियान में एक महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

दानवीर भामाशाह जयंती पर व्यापारी कल्याण दिवस का आयोजन, उत्कृष्ट करदाताओं को किया गया सम्मानित

जनपद गौतम बुद्ध नगर के आर्थिक विकास में उद्यमियों और व्यापारियों का अहम योगदान रहा है : डा. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। दानवीर भामाशाह के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय व्यापारी कल्याण दिवस का सीधा प्रसारण नोएडा के सेक्टर-148 स्थित राज्य कर कार्यालय भवन में किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन, संस्कृति विभाग एवं राज्य कर विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें नोएडा के प्रमुख व्यापारी, उद्यमी एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक जेवर प्रतिनिधि राकेश राघव, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं राज्य कर विभाग के अपर आयुक्त संदीप भाटिया द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद संस्कृति विभाग के कलाकारों ने दानवीर भामाशाह के जीवन पर आधारित वीरगाथाओं की प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान गेल इंडिया लिमिटेड, सैमसंग डिस्प्ले नोएडा, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड, स्मरटू इंडिया, वीवो मोबाइल इंडिया, कॉन्सेप्ट ऑटोमोबाइल्स एवं संवर्धना मदर्सन इंटरनेशनल लिमिटेड को उत्कृष्ट करदाताओं के रूप में भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यूपी युवा व्यापार मंडल को 'बेस्ट व्यापार मंडल 2025' से सम्मानित करते हुए सांसद डॉ. महेश शर्मा, जिलाधिकारी मनीष वर्मा और जीएसटी कमिश्नर संदीप भागिया। सम्मान ग्रहण करते प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन।

आईआईए नोएडा के अध्यक्ष नवीन गुप्ता, युवा व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, इंडस्ट्रियल एंटरप्रेन्योरशिप संगठन के पीएस मुखर्जी, लघु उद्योग भारती के एलबी सिंह, ग्रेटर नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन के रणवीर सिंह और इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राकेश बंसल को राज्य कर विभाग द्वारा शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए व्यापारियों को शुभकामनाएं दीं और भामाशाह के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने गौतम बुद्ध नगर को उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी बताते हुए कहा कि यहां के उद्यमियों का प्रदेश के विकास में अहम योगदान है। उन्होंने उद्यमियों को शासन की सिंगल विंडो सिस्टम जैसी योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया।

राज्य कर विभाग के अपर आयुक्त संदीप भाटिया ने जनपद के करदाताओं को उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक जीएसटी संग्रह हेतु धन्यवाद दिया और आश्वासन दिया कि व्यापारी एवं उद्यमियों की किसी भी समस्या के समाधान के लिए विभाग तत्पर रहेगा। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और प्रक्रियाओं की भी विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर राज्य कर विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार, विभिन्न व्यापारिक व औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधिगण भी मौजूद रहे।

नापाक दस्तावेज

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिल्कुल ठीक किया। ऐसे 'साझा बयान' पर हस्ताक्षर नहीं किए, जो चीन और पाकिस्तान के नापाक गठजोड़ का दस्तावेज था और आतंकवाद पर नजरिया एकतरफा था। 'सीमापार आतंकवाद' पर भारत के नजरिए को नकारा नहीं जा सकता। 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) किसी का निजी संगठन नहीं है। चीन, भारत, पाकिस्तान समेत 10 देशों के रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन था, लिहाजा सभी के सरोकार और खासकर आतंकवाद पर उनकी चिंताओं को 'साझा बयान' में शामिल किया जाना चाहिए था, लेकिन भारत के पहलगाम नरसंहार का उल्लेख तक नहीं किया गया। कश्मीर के उस खूबसूरत क्षेत्र में आतंकियों ने पर्यटकों का 'धर्म' पूछा और हिंदू होने पर गोली मार दी। इस तरह 26 मासूम, बेकसूर लोगों की हत्या कर दी गई। उसकी प्रतिक्रिया में भारत को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करना पड़ा, करीब 170 आतंकियों को ढेर किया गया और उनके अड्डों को 'मिट्टी-मलबा' कर दिया गया। यदि एससीओ आतंकवाद पर कुछ टिप्पणी करना चाहता था, आतंकवाद की निंदा करते हुए उसे खारिज करना चाहता था, तो 'साझा बयान' के दस्तावेज में 'पहलगाम नरसंहार' का जिक्र क्यों नहीं किया गया? यह दोगली रणनीति लगती है। यहीं चीन और पाकिस्तान की आतंकवाद पर नीयत और दृष्टि साफ हो जाती है, लिहाजा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कलम नीचे रखनी पड़ी और उन्होंने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। नतीजतन रक्षा मंत्री सम्मेलन 'साझा बयान' के बिना ही सम्पन्न करना पड़ा। भारत के रक्षा मंत्री ने सीमापार आतंकवाद के पनाहगारों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कठघरे तक घसीट कर लाने की बात कही। उन्होंने आतंकवाद की प्रत्येक साजिश और हरकत को आपराधिक और अनुचित करार दिया। एससीओ का उद्देश्य आतंकवाद सरीखे मुद्दों पर साझा रणनीति तय करना है। दस्तावेज में बलूचिस्तान की कथित आतंकी गतिविधियों, जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर आतंकी हमले, को शामिल किया गया है, लेकिन पहलगाम नरसंहार को नजरअंदाज किया गया है। भारत को यह स्वीकार्य नहीं था। दुनिया पाकिस्तान के आतंकी रिकॉर्ड को अच्छी तरह जानती है। बलूचिस्तान पाकिस्तान का ही हिस्सा है। बलूच आर्मी के लड़ाके, हुकूमत के खिलाफ, विद्रोह कर रहे हैं, लेकिन उसे भारत द्वारा प्रायोजित आतंकवाद करार देना खोखला आरोप है। ऐसे संगठन के विमर्श का मजाक उड़ाना है। चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी पाकपरस्त आतंकियों को बचाता रहा है। यदि वह नापाक गठजोड़ एससीओ में भी जारी रहा है, तो साफ मायने हैं कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय संगठन अपने घोषित मकसद से भटक रहे हैं। क्या चीन के लिए आतंकवाद एक 'रवायती शब्द' है अथवा वह भी आतंकवाद पर गंभीर देश है? एससीओ का रक्षा मंत्री सम्मेलन ऐसा पहला अवसर था, जब आतंकवाद पर पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा किया जा सकता था। हालांकि इसकी उम्मीदें कम ही थीं, क्योंकि चीन पाकिस्तान की पीठ थपथपाता रहा है। एससीओ में भी यही हुआ। भारत जिस आतंकवाद से संत्रस्त रहा है, उसका केंद्र पाकिस्तान ही है और पाकिस्तान का सदाबहार मित्र चीन है। फिर चीन पाकिस्तान की गर्दन पर पांव रख कर आगे नहीं बढ़ सकता था, जबकि भारत चीन के साथ भी वैश्विक प्रगति के लिए कदम बढ़ाता रहा है। दरअसल चीन पाकिस्तान की हकीकत नहीं देखना चाहता। हकीकत न देखने की गलती पाकिस्तान ने भी की थी, लिहाजा आज वह कर्ज, गरीबी, भुखमरी, महंगाई की जकडऩ में है। आतंकवाद का समर्थन करते हुए यह देश अन्य देशों की दया पर आश्रित होता जा रहा है। भारत का रुख सही है। आज की गलाकाट प्रतियोगिता के दौर में भी भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश देने में समर्थ है और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखता है। वहां आतंकवाद की कोई गुंजाइश नहीं है। वैश्विक तौर पर देखें, तो अमरीका, यूरोपीय देश और चीन आतंकवाद पर भारतीय नजरिए के प्रति संवेदनशील नहीं हैं, लेकिन जब अमरीका में 9/11 आतंकी हमला किया गया था, तब भारत को ही याद किया गया था कि इस आतंकवाद से कैसे निपटें! रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत आतंकवाद के प्रति 'शून्य सहिष्णुता' का पक्षधर देश है। इसमें आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का भारत का अधिकार भी शामिल है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि फिर उसने मेघनाद को बुलवाया और सिखा-पढ़ाकर उसके बल और देवताओं के प्रति बैरभाव को उत्तेजना दी। (फिर कहा-) हे पुत्र ! जो देवता रण में धीर और बलवान हैं और जिन्हें लड़ने का अभिमान है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तिन्हहि जीति रन आनेसु बाँधी। उठि सुत पितु अनुसासन काँधी॥
एहि बिधि सबही अग्या दीन्हीं। आपुनु चलेउ गदा कर लीन्ही॥

उन्हें युद्ध में जीतकर बाँध लाना। बेटे ने उठकर पिता की आज्ञा को शिरोधार्य किया। इसी तरह उसने सबको आज्ञा दी और आप भी हाथ में गदा लेकर चल दिया॥

चलत दसानन डोलति अवनी। गर्जत गर्भ स्रवहिं सुर रवनी॥
रावन आवत सुनेउ सकोहा। देवन्ह तके मेरु गिरि खोहा॥

रावण के चलने से पृथ्वी डगमगाने लगी और उसकी गर्जना से देवरमणियों के गर्भ गिरने लगे। रावण को क्रोध सहित आते हुए सुनकर देवताओं ने सुमेरु पर्वत की गुफाएँ तकीं (भागकर सुमेरु की गुफाओं का आश्रय लिया) ॥

दिगपालन्ह के लोक सुहाए। सूने सकल दसानन पाए॥
पुनि पुनि सिंघनाद करि भारी। देइ देवतन्ह गारि पचारी॥

दिक्पालों के सारे सुंदर लोकों को रावण ने सूना पाया। वह बार-बार भारी सिंहगर्जना करके देवताओं को ललकार-ललकारकर गालियाँ देता था॥

(क्रमशः...)

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी

नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था- 'ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।' अप्रैल 2025 को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान बोस्टन में एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए, चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है।

ताजा संदर्भ राहुल गांधी ने 'मैच-फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा। ये कई अखबारों में छपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और भाजपा ने सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं ।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं बल्कि विवाद-निराकरण और मतदाता-विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है।

राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। विदेशी धरती पर जाकर वो देश का अपमान, मोदी सरकार की आलोचना और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का कोई अवसर चूकते नहीं हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।' उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। खासकर तब जब भारत में लगातार चुनाव होते रहे हैं और सरकारें बदलती रहीं हैं। बीते 10-11 वर्षों में देश में कई ऐसी सरकारें बनी हैं, जिसे बीजेपी को हराने के बाद कांग्रेस को मौका मिला है। मतलब, अगर नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह 'ब्रोकेन' हो जाता है।

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।' उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है।

सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन में कहा कि भारत में 'फुल स्केल एसॉल्ट' हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में 'आइडियाज फॉर इंडिया' सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं 'परजीवी' बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'डीप स्टेट' (सीबीआई, ईडी) भारत को चबा रहा है। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी।

2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में 'फ्री स्पीच' की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है। जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर बाहर तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो।

राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन-तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनका मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है।

बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले ही भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग को 'वन ऑफ दी मोस्ट रोबस्ट इलेक्टोरल इंस्टीट्यूशन्स ग्लोबली' (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं, 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है।

बीती मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने से चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग अब तक देशभर में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में अब तक 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है। राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों को जवाब देना चाहती है तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में राहुल गांधी आरोप लगाकर, सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना देना नहीं रहता।

तथ्य यह भी है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि राहुल गांधी इस अध्याय का पटाक्षेप नहीं चाहते हैं। उनकी पार्टी इस मामले को जिंदा रखना चाहती है ताकि आगे के चुनाव नतीजों को सुविधा को हिसाब से संदिग्ध बनाया जा सके।

चुनाव आयोग ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह किसी भी राजनीतिक दबाव, मीडिया उन्माद या सार्वजनिक सनसनी से परे केवल संविधान और मतदाता के प्रति जवाबदेह है। इसलिए आज जरूरत है कि हम आलोचना करें लेकिन तथ्यों पर करें। सवाल उठाएं लेकिन समाधान के साथ और सबसे अहम कि लोकतंत्र की मजबूती, सतत निगरानी और निष्पक्षता बरकरार रखने के लिए बनायी गयी संस्थाओं का सम्मान बनाए रखें, ताकि आमजन की लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं के प्रति आदर का भाव बना रहे।

-डॉ. आशीष वशिष्ठ
स्वतंत्र पत्रकार

बारिश रोकने के लिए (व्यंग्य)

इस बार मानसून अग्रिम आ गया लेकिन हर साल तो बारिश अब कम ही होती है। जहां चाहिए वहां नहीं होती, जहां बिलकुल नहीं चाहिए वहां जरूर होती है और तबाही मचाती है। वन विभाग हर साल करोड़ों वृक्ष लगाता है। पूरे देश में कुछ नालायकों को छोड़ दें, नहीं तो लाखों संस्थाएं वृक्षारोपण करती हैं। बड़े आकार के नेता अपने स्वार्थी हाथों से वृक्ष लगाते हैं। कुछ कर लो बारिश का बिगड़ा हुआ अनुशासन सधता नहीं।

बारिश करवाने के लिए पारम्परिक टोटके इस्तेमाल किए जाते रहे हैं। हवन यज्ञ भी किए जाते रहे हैं। देवताओं को मनाया जाता रहा कि बारिश हो क्यूंकि फसल बर्बाद हुई जाती है। कई बार उसी बारिश को रुकवाने के लिए भी स्थानीय देव से अाग्रहपूर्वक निवेदन किया जाता रहा है कि आज हमारे क्षेत्र में अमुक व्यवसायी, छ मंत्री, दो फिल्मी सितारे आ रहे हैं, हे देव बारिश न होने देना हम आपको यह और वह भेंट चढाएंगे लेकिन बारिश है कि कुदरत की मर्जी से होती है या रुकती है ।

इस बार बारिश ने जल्दी आकर वही काम किए जो देर से आकर करती रही है। हम सामान्य भाषा में इसे बारिश का सितम कहते हैं हालांकि हमने कुदरत का नुकसान मनचाहे नए तरीकों से किया है।

इस बार बारिश ने जल्दी आकर वही काम किए जो देर से आकर करती रही है। हम सामान्य भाषा में इसे बारिश का सितम कहते हैं हालांकि हमने कुदरत का नुकसान मनचाहे नए तरीकों से किया है।

सौ प्रतिशत प्राकृतिक गलती के कारण, सड़कों पर मलबा गिर जाता है सड़कें टूट जाती हैं। विकास के रास्ते बंद हो जाते हैं। जिन सड़कों को बनाने में करोड़ों रूपए खर्च होते हैं उनका करोड़ों का नुकसान कर देती है। इंसान की मेहनत पर पानी फेर देती है। वैसे तो बारिश से बचने के गुम हुए उपाय खोजने के लिए बैठकें होने में हमेशा देर हो जाती है। इस बार तो बैठक करनी भी संभव नहीं लग रही।

पानी ने इस बार नए रास्ते भी खोज लिए हैं जिसका फायदा वीडियो बनाने वालों को हो रहा है। वे नए नए वीडियो बनाकर डाल रहे हैं जिन्हें लाइक करने वाले नए लोग जुड़ रहे हैं। बाढ़ से बचने के लिए नए फार्मूले बताए जा रहे हैं। राजनीतिक लोग अपने अपने लोगों से सच्चे वायदे कर रहे हैं कि वे उनके साथ हैं। उनके कुछ बंदों को पता है कि उन्हें मुआवजा मिल ही जाएगा। सभी आम लोगों की तो मदद कभी नहीं की जा सकती। हां, बाढ़ में मरने वालों की मृत्यु को असामयिक, दुर्भाग्यपूर्ण बताने और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करने में देर नहीं की जाती।

इस बार भी बारिश को रोकने के लिए घिसे पिटे तरीके प्रयोग किए जा रहे हैं। बारिश के कारण हुए नुकसान का मुआवजा देना आसान है। हम तो बारिश का पानी इक्ठा करने के उपाय भी नहीं करना चाहते। वास्तव में बारिश का पानी कोई रोकना नहीं चाहता क्यूंकि यह काम मुश्किल है। हमारे यहां तो आसान काम करना मुश्किल है, मुश्किल काम कौन करना चाहता है। फिलहाल तो कुदरत का इन्सान से बदला लेने का कार्यकम जारी रहने वाला है। असंतुलित बारिश हमारे गलत कारनामों का प्रसाद ही तो है।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शत्रु परास्त होंगे। गुण ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भावनाओं पर काबू रखें। लिखने पढ़ने में समय व्यतीत करें। प्रेम में तू तू मैं मैं के संकेत हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
गृह कलह के संकेत हैं। यद्यपि घरेलू सुख बढ़ चढ़कर आप भोगेंगे और भूमि भवन वाहन की खरीदारी भी संभव है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
किया गया प्रयास सफलतादायक होगा, जो आपने सोचा है, जो आपने डिजाइन किया है, उसको इंप्लीमेंट करिए।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन हानि के संकेत हैं इसलिए निवेश अभी वर्जित रहेगा। वाणी पर विराम दें क्योंकि आपस में कौटुंबिक हलचल मच सकती है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम, संतान अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। पिता का साथ होगा। सरकारी तंत्र का लाभ होगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
यात्रा का योग बनेगा। थोड़ा सा मान सम्मान पर ठेस न पहुंचे इस बात का ध्यान रखिएगा। बाकी स्वास्थ्य अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
जीवनसाथी का साथ मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य थोड़ा पहले से बेहतर।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के 1 जुलाई 2025 को गोरखपुर में प्रस्तावित आगमन से पूर्व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता की उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राष्ट्रपति यहां अकादमिक भवन, करीब पंद्रह सौ लोगों के बैठने की क्षमता के ऑडिटोरियम, ग्यारह कॉटेज वाले विश्व स्तरीय पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण और एक हजार की क्षमता के गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी।

अतिक्रमण हटाने गई टीम पर हमला प्राधिकरण ने दर्ज कराई शिकायत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी क्षेत्र के आमका गांव में शनिवार को अवैध निर्माण तोड़ने गई ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम पर हमला किया गया। प्राधिकरण की टीम के साथ मारपीट, अभद्रता व बंधक बनाने का प्रयास किया गया। आरोप है कि कालोनाइजर व भू माफिया ने टीम का विरोध करते हुए अभद्रता की है।प्राधिकरण की ओर से दादरी कोतवाली में शिकायत दी गई है।

दादरी क्षेत्र के गांव ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अधिसूचित हैं। आमका गांव भी इसमें शामिल है। आरोप है कि प्राधिकरण की अनुमति और मानचित्र स्वीकृत कराए बगैर की खसरा नंबर 204, 205 और 206 आदि पर अवैध निर्माण कर कालोनी बसाई जा रही थी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कालोनाइजर को नोटिस देकर निर्माण को रुकवा दिया था, लेकिन कालोनाइजर चोरी छिपे निर्माण करने में जुटे थे।

शनिवार को प्राधिकरण के ओएसडी

रामनयन सिंह, परियोजना अभियंता सन्नी यादव टीम और पुलिस बल के साथ अतिक्रमण को ध्वस्त करने मौके पर पहुंचे। टीम ने अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाना शुरू किया। तभी 100 से 150 लोगों मौके पर पहुंच गए और कार्रवाई का विरोध करते हुए प्राधिकरण के अधिकारी व टीम के साथ अभद्रता व हाथापाई करने का प्रयास किया।

उनकी गाड़ी को टक्कर मारने की कोशिश की। प्राधिकरण के कर्मचारियों को बंधक बनाने का प्रयास किया। भीड़ को एकत्रित कर घेराव किया। कार्य को रोक दिया। लोगों के विरोध और पर्याप्त पुलिस बल न होने के कारण प्राधिकरण की टीम को बैरंग लौटना पड़ा।

टीम से अभद्र व्यवहार, मारपीट व बंधक बनाने की कोशिश करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने आदि के विरोध में प्राधिकरण के सहायक मैनेजर नरेश गुप्ता की तरफ से कुल लोगों को नामजद करते हुए 100 से 150 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी गई है।

प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने चेतावनी दी है कि अधिसूचित क्षेत्र में अतिक्रमण करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने जन-मानस से अपील की है कि वे कालोनाइजरों के झांसे में आकर अपनी गाढ़ी- कमाई न फंसाएं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में जमीन खरीद कर निर्माण करने से पहले जानकारी अवश्य कर लें।

वहींभारतीय किसान यूनियन बलराज ने आरोप लगाया कि किसानों की पुश्तैनी आबादी को अतिक्रमण बताकर तोड़ा जा रहा है। इसका विरोध किया गया है। एमडीएम से पहले किसानों के लंबित मामलों का निपटारा करने और सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा देने की मांग की गई है।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने 29 जून को आपातकालीन बैठक बुलायी है। इसमें विरोध की रणनीति बनाई जाएगी। 30 जून को भारतीय किसान यूनियन बलराज के नेतृत्व में किसानों की लंबित मांगों और भ्रष्ट अधिकारी को निलंबित कराने के लिए प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया जाएगा।

नोएडा के दो मेडिकल स्टोर से उठाए दवाओं के नमूने

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद के मेडिकल स्टोर्स पर मानकों के अनुरूप दवाईयों की बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से औषधि निरीक्षक जय सिंह ने सेक्टर-23 नोएडा में स्थित लाइफ फार्मेसी एवं चित्रा फार्मेसी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि लाइफ फार्मेसी एवं चित्रा फार्मेसी दोनों मेडिकल स्टोर से 2 दवाओं के नमूने जांच के लिए संग्रहित किये हैं। प्रयोगशाला से रिपोर्ट आने के उपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

औषधि निरीक्षक द्वारा बताया गया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के निर्देशों के क्रम में जनपद में सभी प्रकार की दवाइयां मानकों एवं गुणवत्ता के साथ सभी मेडिकल स्टोर्स पर बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आगे भी इसी प्रकार अभियान संचालित करते हुए मेडिकल स्टोर्स पर दवाओं की जांच की जाएगी।

'रैंप बनाकर सेक्टर-51 में बंद कर दी है नालियां'

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ओएसडी इंदु प्रकाश और हेल्थ विभाग की टीम के साथ सेक्टर-51 को स्वच्छ रखने के लिए और डोर टू डोर गार्बेज कंपनी से होने वाली समस्या के समाधान के लिए एक बैठक हुई।

नोएडा प्राधिकरण ओएसडी इंदु प्रकाश सेक्टर-51 की समस्याओं के समाधान के लिए हेल्थ विभाग की टीम के साथ आरडब्ल्यूए 51 ऑफिस पहुंचे। आरडब्ल्यूए, सेक्टर 51 द्वारा सेक्टर 51 की समस्याओं के विषय में इंदु प्रकाश को जानकारी दी गई। आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने Door to door गार्बेज कलेक्शन की समस्या, नाली बंद की समस्या, बड़े नालों को तुरंत साफ करवाने और सेक्टर के नालों में सीवर के पानी डाले जाने की समस्या बताई।

सेक्टर में अधिकतर नालिया

निवासियों द्वारा परमानेंट रैंप बनाकर बंद की गई है।

आरडब्लूए सेक्टर-51 द्वारा कहा गया कि जहां भी इस तरह नाली बंद मिले उन सभी निवासियों को प्राधिकरण की ओर से नोटिस जाना चाहिए और नालियां हमेशा खुली होनी चाहिए।

इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण की ओर से ओएसडी इंदु प्रकाश, जगपाल चौधरी, सोनू, डीडी आरडब्ल्यूए अध्यक्ष, एनपी सिंह, आरडब्ल्यूए 51 अध्यक्ष अनिल प्रकाश रन्होत्रा, सेक्टर-51 महासचिव संजीव कुमार, जॉइंट सेक्रेटरी मनीष बवेजा और सौरव जैन, चेतन उप्पल इत्यादि मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति योजना के लिए टाइम टेबल जारी

नोएडा (चेतना मंच)।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौतम बुद्ध नगर लवेश कुमार सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2025-26 में पूर्वदश1/दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत उच्च कक्षाओं में अध्ययन करने वाले उत्तर प्रदेश के मूल निवासी सामान्यवर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) दशमोत्तर/शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत उच्च कक्षाओं में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक भत्ता एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान करने हेतु समय सारणी जारी कर दी गई है।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि आगामी 7 जुलाई से 25 नवंबर 2025 तक प्रदेश में स्थित नवीन शिक्षण संस्थाओं द्वारा मास्टर डेटाबेस में सम्मिलित होने के लिए आवेदन करने की कार्रवाई विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेंसी के माध्यम से किया जाना, उसके उपरांत जिला समाज कल्याण अधिकारी से पासवर्ड प्राप्त करना है। वाह्य प्रदेश में स्थित शासकीय/शासकीय सहायता प्राप्त नवीन शिक्षण संस्थाओं द्वारा मास्टर डेटाबेस में सम्मिलित होने के लिए आवेदन करना तथा योजना अधिकारी/नोडल अधिकारी मुख्यालय द्वारा पासवर्ड प्रदान किया जाना है।

उन्होंने बताया कि मास्टर डाटा में पूर्व से सम्मिलित संस्थाओं (प्रदेश व वाह्य प्रदेश) द्वारा पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का प्रकार, पाठ्यक्रमवार कुल सीटों की संख्या, सक्षम स्तर से निर्धारित शुल्क, पाठ्यक्रमवार एफिलिएटिंग एजेंसी/विश्वविद्यालय के नाम आदि सूचनाओं को अंकित/अद्यतन करके डिजिटल हस्ताक्षर से प्रमाणित करना है।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के छात्रों को पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 9 व 10 के छात्र 2 जुलाई से 30 अक्टूबर 2025 तक एवं कक्षा 11 व 12 में अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए आवेदन करने की तिथि 10 जुलाई 2025 से 20 दिसंबर 2025 तक आवेदन करने की तिथि शासन द्वारा निर्गत समय सारणी के अनुसार निर्धारित की गयी है। जिसके अनुसार छात्रवृत्ति भुगतान के संबंध में कार्रवाई संचालित की जाएगी।

स्मार्ट टेक्नोलॉजी पर शारदा विवि में कांफ्रेंस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इमर्जिंग स्मार्ट टेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट का शुभारंभ हुआ। यह सम्मेलन सोसाइटी ऑफ़ इंक्लूसिव रिसर्च फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट ,शिबानी इकोनॉमिक एजुकेशनल डेवलपमेंट फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में शुरू किया गया है, जिसमें स्प्रिंगर नॉलेज पार्टनर के रूप में सहयोग कर रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग जगत के नेताओं और नीति निर्माताओं को एक साझा मंच पर लाना। इस दौरान शोधकर्ताओं ने 200 शोधपत्र प्रस्तुत किए।

सम्मेलन में डॉ आरके खंडाल, पूर्व कुलपति, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय ने कहा कि स्मार्ट टेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, वित्त, वाणिज्य, शासन, कृषि और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं और सेवाओं को वितरित करने के साधन प्रदान करते हैं। वे गरीबी और भुखमरी को कम करने, स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, नई नौकरियां पैदा करने, जलवायु परिवर्तन को कम करने, ऊर्जा दक्षता में सुधार करने और शहरों और समुदायों को अधिक टिकाऊ बनाने में मदद कर सकते हैं। इस तकनीकी प्रवृत्ति का प्राथमिक तरीका जीवन को बदलना है, जो डेटा का उपयोग करके अनुकूलन करने की इसकी क्षमता है। सूचना से लैस, स्मार्ट तकनीक पैटर्न को पहचानने और उसके अनुसार प्रतिक्रियाओं को बदलने में सक्षम है।

कार्यक्रम में एडिशनल सीपी अजय कुमार ने कहा कि स्मार्ट तकनीक अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रदान करती है। हमारे जीवन को बेहतर बनाने की इसकी क्षमता निर्विवाद है, लेकिन हमें सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए और डेटा गोपनीयता, सुरक्षा और सामाजिक प्रभाव से जुड़े जोखिमों को संबोधित करना चाहिए। नवाचार और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाकर, हम अधिक कुशल, टिकाऊ और न्यायसंगत भविष्य बनाने के लिए स्मार्ट तकनीक की शक्ति का उपयोग कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर वाईके गुप्ता ने कहा कि स्मार्ट टेक्नोलॉजी और सतत विकास किस तरह किया जाए जो आम नागरिक और देश का फायदा हो सके इस पर जोर दिया जाना चाहिए। इसके लिए हमें एकजुट होकर आगे बढना होगा। सभी क्षेत्रों में नई तकनीक इस्तेमाल हो रहा है लेकिन सबसे अच्छी तकनीक कौन सी है वो देखना होगा।

इस दौरान डॉ रामजी प्रसाद प्रो वाइस चांसलर डॉ परमानंद, डॉ आरसी सिंह, डॉ पल्लवी गुप्ता, डॉ अजीत कुमार समेत विभिन्न विभागों के डीन और एचओडी मौजूद रहे।

खास खबर

जिलास्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ

प्रतापगढ़। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश सरकार और जिला खेल कार्यालय प्रतापगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में क्रिकेट की जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 28 जून से 8 जुलाई के बीच किया जा रहा है। शनिवार को उद्घाटन सदर विधायक राजेंद्र मौर्या ने किया । पहला मैच स्टेडियम रेड और स्टेडियम ब्लू के बीच खेला गया। जिसमें स्टेडियम रेड ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 124 रन का स्कोर बनाया। स्टेडियम रेड की तरफ से आदित्य ने 27 रन और विराट ने 22 रनों का योगदान दिया। स्टेडियम ब्लू की तरफ से पर्व तिवारी ने 3 विकेट और शौर्य मान ने 2 विकेट लिया। जवाब में स्टेडियम ब्लू की टीम ने यह मैच 19.5 ओवरों में 126 रन बनाकर जीत लिया। जिसमें अनिकेत ने 28 रन और आयुष ने 22 रनों का योगदान दिया। स्टेडियम रेड की तरफ से आयुष्मान ने दो विकेट और विराट ने 2 विकेट लिया। यह मैच स्टेडियम ब्लू ने जीत लिया।

स्पिनर एडम जम्पा ने सरे के साथ किया अनुबंध

सरे । ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा ने चार टी20 ब्लास्ट मैच खेलने के लिए सरे के साथ अनुबंध किया है। एडम अगले महीने 6 जुलाई को द ओवल में एसेक्स के खिलाफ सरे के डबल-हेडर मैच से पहले पहुंचेंगे। लेग स्पिनर जम्पा ने अपने करियर में 350 से अधिक टी20 विकेट लिए हैं जिसने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग , बिग बैश और द हंड्रेड सहित दुनिया भर की सभी सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी लीगों में ले जाया है, जहां उन्होंने 2023 और 2024 में ओवल इनविंसिबल्स को लगातार खिताब दिलाने में मदद की। सैम कुरेन की सरे प्रतियोगिता में शानदार फॉर्म में है, उसने केंट के खिलाफ आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत हासिल की, जिसमें क्रिस जॉर्डन ने अंतिम गेंद पर चौका लगाकर जीत सुनिश्चित की। इसके बाद ससेक्स और मिडलसेक्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर व्यापक जीत हासिल की।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 78 रनों से हराया

पहली पारी में निसंका का शतक, चंदीमल और मेंडिस का साथ

- जयसूर्या ने फिर मचाया कहर, 5 विकेट झटके

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज को 1-0 से जीत लिया है। सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब, कोलंबो में खेले गए दूसरे टेस्ट में मेजबान टीम ने पारी और 78 रन से धमाकेदार जीत दर्ज की। इस जीत के हीरो रहे बाएं हाथ के स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या, जिन्होंने टेस्ट करियर का 12वां पांच विकेट हॉल लेते हुए विपक्षी बल्लेबाजों की कमर तोड़ दी।चौथे दिन शनिवार की शुरूआत बांग्लादेश के 115/6 के स्कोर से हुई, उन्हें श्रीलंका को

दोबारा बल्लेबाजी पर मजबूर करने के लिए 97 रन की जरूरत थी। लेकिन मैच सिर्फ आधे घंटे में खत्म हो गया। जयसूर्या ने अंतिम चार में से तीन विकेट झटके और बांग्लादेश की दूसरी पारी 133 रन पर सिमट गई। इससे पहले श्रीलंका ने पहली पारी में 458 रन बनाए थे। ओपनर पथुम निसंका ने शानदार शतक जड़ा, जबकि दिनेश चांदीमल (93 रन) और कुसल मेंडिस (84 रन) ने अहम अर्धशतक लगाए। बांग्लादेश की पहली पारी 247 रन पर सिमटी थी। चौथे दिन बांग्लादेश की पारी को निपटाने में जयसूर्या ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने पहले लिटन दास (14) को उन्होंने कुसल मेंडिस के हाथों कैच आउट कराया।, इसके बाद नायेम हसन (5) को आगे बढ़कर खेलने पर मजबूर किया और मेंडिस ने उन्हें स्टंप कर दिया। ताइजुल इस्लाम (6) को उन्होंने खुद ही कैच किया। आखिरी विकेट एबादत हुसैन (6) का था, जिसे थरिंदु रतनायके ने एलबीडब्ल्यू आउट कर मैच समाप्त किया। जयसूर्या ने 5 विकेट देकर 56 रन दिए, जबकि कप्तान धनंजय डी सिल्वा और रतनायके ने 2-2 विकेट लिए। दो मैचों की इस सीरीज का पहला मुकाबला गॉल में खेला गया था, जो ड्रॉ रहा। लेकिन दूसरे टेस्ट में श्रीलंका ने पूरी तरह से अपना दबदबा कायम रखते हुए सीरीज जीत ली।

कुलदीप को दूसरे टेस्ट के लिए शामिल करें : अश्विन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव होते तो पहले क्रिकेट टेस्ट मैच का परिणाम कुछ और होता। ऐसे में अब अश्विन चाहते हैं कि कुलदीप को 2 जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये। अश्विन के अनुसार अगर कुलदीप पहले टेस्ट में होते तो वह अहम भूमिका निभा सकते थे। भारतीय टीम को पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। अश्विन ने कहा कि वह यह देखना चाहते हैं कि इंग्लैंड इस स्पिनर का सामना किस प्रकार करता है। साथ ही कहा कि अगर कुलदीप आपको 100 रन देकर तीन विकट दिला सकता है और पहली पारी के स्कोर को 350 तक ही रोक सकता है तो ऐसे में टीम के पास 125 रन की बढ़त होती। मेरा मानना है कि कुलदीप होता तो पहले मैच के हालात अलग प्रकार के होते। अश्विन ने भारतीय टीम पहले टेस्ट में पिच की सहायता नहीं ले पायी, उसे स्पिनरों की सहायताके लिए पिच पर खुरदरे निशान बनाना थे। उन्होंने कहा, हमें और अधिक खुरदरे निशान बनाने का प्रयास करना चाहिए था। साथ ही कहा कि अगर इंग्लैंड चौथी पारी में गेंदबाजी करता तो आपको पिच पर बहुत अधिक निशान देखने को मिलते। साथ ही कहा कि भारतीय टीम अगला मैच वहां खेलेगी जहां उसने कभी भी टेस्ट मैच नहीं जीता है। इसलिए उसे सावधान रहना होगा।

नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड रैंकिंग में फिर हासिल किया शीर्ष स्थान

- अरशद नदीम चौथे नंबर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर विश्व रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। इस सप्ताह वर्ल्ड एथलेटिक्स की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी ताजा रैंकिंग में नीरज ने ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान दोबारा प्राप्त किया। पिछले साल 17 सितंबर को ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल जीतने के बाद पीटर्स ने नीरज से नंबर-1 स्थान छीना था। लेकिन लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नीरज ने फिर से बाजी मार ली। ताजा रैंकिंग के अनुसार, नीरज के 1445 अंक हैं जबकि पीटर्स 1431 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जर्मनी के जूलियन वेबर 1407 अंकों के साथ तीसरे और पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम 1370 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। 27 वर्षीय नीरज चोपड़ा इस साल सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करेंगे। उन्होंने इस सीजन की शुरूआत अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पॉटचेफस्ट्रूम में हुई एक इनविटेशनल मीट से की थी, जहां उन्होंने 84.52 मीटर की थ्रो के साथ जीत दर्ज की। इसके बाद मई में दोहा डायमंड लीग में उन्होंने पहली बार 90 मीटर की दूरी पार करते हुए 90.23 मीटर की थ्रो फेंकी, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो रही। हालांकि वे इस प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहे, क्योंकि जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर की थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया। इसके बाद पोलैंड के चोरजो में जनुश कुसोचिंस्की मेमोरियल में भी नीरज (84.14 मीटर) वेबर (86.12 मीटर) से पीछे रहे। लेकिन पेरिस डायमंड लीग में नीरज ने वापसी करते हुए 88.16 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।

डब्ल्यूटीसी तालिका में ऑस्ट्रेलिया ने खोला खाता

एजेंसी

नई दिल्ली । पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 159 रन से जीत दर्ज की और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के चौथे चक्र की अंक तालिका में अपना खाता खोल लिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया उन टीमों में शामिल हो गया जिन्होंने इस साइकिल में अपने पहले अंक हासिल कर लिए हैं। इससे पहले बांग्लादेश, श्रीलंका और इंग्लैंड ने तालिका में खाता खोला था। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था, जबकि इंग्लैंड ने भारत को हराकर अंक अर्जित किए थे। ऑस्ट्रेलिया की इस जीत ने डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में तस्वीर बदल दी है। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल पहले स्थान पर पहुंच गया है जबकि इंग्लैंड दूसरे स्थान पर खिसक गया है। दोनों टीमों के खाते में अभी 100 प्रतिशत पॉइंट्स हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद उनके नेट प्रतिशत और अंक तालिका की स्थिति मजबूत हुई है। बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान टीम पर पूरी तरह दबदबा बनाया। हालांकि पहली पारी में वेस्टइंडीज ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में केवल 180 रन पर सिमट गया था और इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने 190 रन बनाकर 10 रन की मामूली बढ़त हासिल की थी।

टेस्ट मैच में टीम की गेंदबाजी से मोहम्मद शमी असंतुष्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स के हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में टीम की गेंदबाजी से भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी असंतुष्ट हैं। भारतीय गेंदबाजों ने सभी पारियों में 4.5 रन प्रति ओवर से अधिक रन लुटाए जिसमें केवल जसप्रीत बुमराह ही प्रभावी दिखे। बुमराह ने पहली पारी में 5 विकेट लिए लेकिन दूसरी इनिंग में कोई विकेट नहीं ले पाए। इंग्लैंड ने 371 रन के लक्ष्य के जवाब में आखिरी दिन 350 रन बनाए और 5 विकेट से जीत दर्ज की। शमी ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, गेंदबाजी में अन्य भारतीय गेंदबाजों को बुमराह से बात करनी चाहिए और उनसे सीखना चाहिए। उन्हें उनके साथ योजना बनाने और उनका समर्थन करने के बारे में बात करनी चाहिए। अगर वे बुमराह का समर्थन करेंगे, तो हम आसानी से मैच जीत सकते हैं। अगर मैं पहले मैच की बात करूं, तो मुझे लगता है कि हमें गेंदबाजी में थोड़ा काम करने की जरूरत है। शमी ने शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा के विकेटों का खेल पर कोई प्रभाव ना पड़ने की भी बात की। उन्होंने कहा, शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा ने दूसरी पारी में दो-दो विकेट लिए, लेकिन जब तक शार्दुल ने इंग्लैंड के दो बल्लेबाजों को आउट किया, तब तक मैच भारत की पहुंच से बाहर हो चुका था। नई गेंद से विकेट लेना बहुत जरूरी है।

कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो का इस्तीफा

कोलंबो । कोलंबो में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में बांग्लादेश को श्रीलंका के हाथों पारी और 78 रनों से करारी हार झेलनी पड़ी, जिससे टीम को दोहरा झटका लगा। एक तो उसने यह सीरीज 0-1 से गंवा दी, दूसरा बड़ा झटका कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो के इस्तीफे के रूप में सामने आया। मैच खत्म होते ही शान्तो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में टेस्ट कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया, जिससे बांग्लादेश क्रिकेट जगत में हलचल मच गई। गौर करने वाली बात यह है कि सीरीज के पहले टेस्ट में शान्तो ने दोनों पारियों में शतक लगाकर इतिहास रचा था और वह ऐसा करने वाले बांग्लादेश के पहले कप्तान बने थे। अचानक उनके इस फैसले ने फैन्स और टीम मैनेजमेंट को हैरानी में डाल दिया है।

जायसवाल की नजरें एजबेस्ट टेस्ट में सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने पर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाना हैं, जहां टीम इंडिया की नजरें सीरीज में वापसी पर होंगी। इस मुकाबले में खासतौर पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर सबकी निगाहें होंगी, जो भारतीय टेस्ट क्रिकेट में सुनील गावस्कर का करीब 50 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के बेहद करीब हैं। इंग्लैंड दौरे की शुरूआत जायसवाल के लिए शानदार रही। उन्होंने पहले टेस्ट में शतक जमाकर टीम को मजबूत शुरूआत दी थी। हालांकि शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत के शतक के बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में दूसरे टेस्ट में भारत के बल्लेबाजों से एक बार फिर बड़े स्कोर की उम्मीद होगी। यशस्वी जायसवाल के अब तक के टेस्ट करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 20 मैचों में 52.86 की औसत से 1903 रन बनाए हैं। वह 2000 रन के मील के पत्थर से सिर्फ 97 रन दूर हैं। अगर वह एजबेस्टन टेस्ट में यह 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम मैचों में 2000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बन जाएंगे। अभी यह रिकॉर्ड दिग्गज सुनील गावस्कर के नाम है, जिन्होंने 23 टेस्ट में 2000 रन पूरे किए थे। अगर यशस्वी एजबेस्टन में इस उपलब्धि से चूकते हैं तो उनके पास अगले मैच में भी गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका रहेगा। सबसे तेज 2000 टेस्ट रन बनाने वाले अन्य भारतीयों में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग भी शामिल हैं, जिन्होंने 25-25 टेस्ट में यह कारनामा किया था। हालांकि, पारियों के लिहाज से देखें तो राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग ने 40-40 पारियों में 2000 रन पूरे किए थे, जबकि गावस्कर को 44 पारियां लगी थीं। यशस्वी जायसवाल ने अब तक 38 पारियां खेली हैं और अगर वह दूसरे टेस्ट की पहली पारी में ही 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम पारियों में 2000 टेस्ट रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन जाएंगे। ऐसे में एजबेस्टन टेस्ट जायसवाल के लिए व्यक्तिगत और भारतीय क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का बड़ा मौका साबित हो सकता है, साथ ही टीम इंडिया को भी उनकी बड़ी पारी से सीरीज में वापसी की मजबूत उम्मीद होगी।

हर गेंद पर चौका-छक्का नहीं जरूरी : शेफाली वर्मा

- सचिन से प्रेरित होकर मजबूत लौटीं

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम में वापसी कर रहीं 21 वर्षीय शेफाली वर्मा ने स्वीकार किया है कि टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने अपनी बल्लेबाजी के नजरिए में बड़ा बदलाव किया। खराब फॉर्म के चलते बाहर होने के बाद शेफाली ने टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर की पारियां देख-देखकर यह समझा कि हर गेंद को उसकी मेरिट पर खेलना कितना जरूरी है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच से पहले बीसीसीआई के एक वीडियो में शेफाली ने कहा, ह्लपहले मैं हर गेंद पर चौका या छक्का मारने के बारे में सोचती थी लेकिन फिर मुझे समझ में आया कि अच्छी गेंद का सम्मान करना जरूरी है। मैंने सचिन सर की टेस्ट पारियां देखीं और उनसे काफी प्रेरणा मिली। शेफाली ने बताया कि सचिन को देखते हुए उन्हें अपने बचपन के दिन याद आ गए। उस समय मैं उनका एक भी मैच मिस नहीं करती थी। इस बार मैंने उनके हर मैच को फिर से देखा और सीखा कि अच्छी गेंद को सम्मान देना ही लंबी और अच्छी पारी खेलने की कुंजी है। शेफाली का यह आत्मचिंतन उनके खेल में भी दिखा। घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह वापस पक्की की।हालांकि, यह सफर आसान नहीं रहा। शेफाली ने खुलासा किया कि पिछले साल टीम चयन से ठीक दस दिन पहले उनके पिता को दिल का दौरा पड़ा था, जिसने उनके लिए हालात और मुश्किल कर दिए। ह्लजब भी आप टीम में वापसी करते हैं तो हालात मुश्किल होते ही हैं, लेकिन टीम के माहौल में लौटकर अच्छा लगता है।

रोमन रेंस की संभावित वापसी से डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई में हलचल

- समरस्लैम में दिख सकते हैं एक्शन में

एजेंसी

नई दिल्ली । डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर है कि रोमन रेंस, जो अप्रैल में रेसलमेनिया 41 के बाद से रिंग में नजर नहीं आए हैं, जल्द वापसी कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह अगस्त में होने वाले समरस्लैम में वापसी करेंगे। उनकी वापसी को लेकर कई कहानियां और रणनीतियां बन रही हैं। माना जा रहा है कि रेंस, पूर्व यूनाइटेड स्टेट्स चैंपियन के साथ मिलकर सैथ रॉलिंस के ग्रुप के सदस्यों ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड को मात दे सकते हैं। एलए नाइट की भी खबर इसमें जुड़ती दिख रही है। स्मैकडाउन के एक एपिसोड में ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड ने एलए नाइट पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इसके बाद यह साफ हुआ कि एलए नाइट को इन विरोधियों से निपटने के लिए किसी मजबूत साथी की जरूरत है और इस भूमिका में रोमन रेंस आ सकते हैं। रोमन रेंस और सैथ रॉलिंस के बीच पुरानी दुश्मनी भी इस संभावित बात में अहम भूमिका निभा सकती है। दोनों रेसलमेनिया 41 में ट्रिपल थ्रेट मैच में आमने-सामने आए थे, जिसमें सीएम पंक भी शामिल थे। उस मैच में पॉल हेमैन ने, जो रोमन रेंस के सलाहकार और सीएम पंक के पुराने दोस्त माने जाते हैं, रॉलिंस का साथ देकर कहानी को और पेचीदा बना दिया था। इसके अगले ही दिन ब्रॉन ब्रेकर ने सैथ रॉलिंस के समर्थन में रोमन रेंस पर हमला किया और उन्हें बैरिकेड के पार स्पीयर मारा था।

तय कार्यक्रम के अनुसार होने की उम्मीद हैं भारत-बांग्लादेश सीरीज

- कोहली और रोहित दिख सकते है मैदान पर
- तीन मैचों की वनडे सीरीज 17 अगस्त से मीरपुर में शुरू होगी और 23 अगस्त को चटगांव में खत्म होगी

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और बांग्लादेश के बीच अगस्त में होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज को लेकर पिछले कुछ समय से कई अटकलें लगाई जा रही थीं। शेख हसीना सरकार के हटने के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक रिश्तों में आई तल्खी के चलते दौरे के रद्द या स्थगित होने की आशंका जताई जा रही थी। लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने साफ कर दिया है कि फिलहाल सीरीज को लेकर कोई बदलाव नहीं किया गया है और यह तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगी। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि इस दौरे को रद्द करने या स्थगित करने पर कोई चर्चा नहीं हुई है और न ही सरकार से ऐसा कोई निर्देश मिला है। अगर आगे कोई स्थिति बनती है तो उसी के अनुसार फैसला लिया जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अप्रैल में ही इस दौरे का कार्यक्रम जारी कर दिया था। इसके मुताबिक तीन मैचों की वनडे सीरीज 17 अगस्त से मीरपुर में शुरू होगी और 23 अगस्त को चटगांव में खत्म होगी। इसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज 26 अगस्त से शुरू होकर 31 अगस्त तक चलेगी। यह दौरा इसलिए भी अहम है क्योंकि विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पहली बार वनडे टीम में वापसी करने के संकेत दिए हैं। भारत ने 2014 के बाद से बांग्लादेश में कोई वनडे सीरीज नहीं जीती है। पिछली बार भारत ने 2022 में बांग्लादेश दौरे पर तीन मैचों की सीरीज 1-2 से गंवाई थी। ऐसे में यह दौरा भारत के लिए 11 साल के सूखे को खत्म करने का मौका होगा। टी20 सीरीज भी ऐतिहासिक होगी क्योंकि भारत ने अब तक बांग्लादेश में कोई द्विपक्षीय टी20 सीरीज नहीं खेली है। यह पहली बार होगा जब मौजूदा विश्व टी20 चैंपियन भारत बांग्लादेश में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। हालांकि भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की उपलब्धता पर फिलहाल संदेह जताया जा है क्योंकि उन्होंने हाल ही में जर्मनी में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई है। उनकी दो महीने में फिट होने की उम्मीद है लेकिन सीरीज तक पूरी तरह फिट होना मुश्किल माना जा रहा है। ऐसे में अक्षर पटेल को टी20 टीम की कप्तानी सौंपी जा सकती है। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ 4 अगस्त को खत्म होने वाली टेस्ट सीरीज के बाद शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों को आराम दिए जाने की संभावना है। इससे टीम प्रबंधन को 2027 विश्व कप की तैयारियों के तहत वनडे में कुछ नए खिलाड़ियों को आजमाने का मौका मिलेगा।

जर्मनी के बैड होम्बर्ग में डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट में अपने सेमीफाइनल मैच में इटली की जैस्मीन पाओलिनी के खिलाफ सर्विस करती पोलैंड की इगा स्वियाटेक।

खास खबर

पश्चिमोत्तर राज्यों में डायरेक्ट सेलिंग कारोबार 2172 करोड़ के पार

चंडीगढ़। देश के पश्चिमोत्तर क्षेत्र के राज्यों जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ ने डायरेक्ट सेलिंग में 15.71 प्रतिशत से अधिक की विकास दर दर्ज कर वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 2172 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है। देश में डायरेक्ट सेलिंग उद्योग की प्रमुख संस्था इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) ने हाल ही में यहां आयोजित नॉर्दर्न डायरेक्ट सेलिंग समिट में पेश किये गए एक सर्वेक्षण के माध्यम से यह जानकारी दी।
आईडीएसए की नॉलेज भागीदार इपसोस द्वारा संकलित इस सर्वेक्षण में देश में डायरेक्ट सेलिंग क्षेत्र के विकास और इसके निरंतर हो रहे विस्तार पर भी प्रकाश डाला गया है। इस अवसर पर हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले के मंत्री राजेश नागर और राज्य के इसी विभाग के प्रधान सचिव डी. सुरेश उपस्थित थे।

सीएनजी और पीएनजी की घट सकती है कीमतें

नई दिल्ली। देशभर के सीएनजी और पीएनजी उपभोक्ताओं को अगले दो-तीन दिन में राहत भरा समाचार मिल सकता है। बताया गया है कि अब गैस की कीमतें आपकी लोकेशन या गैस सोर्स से दूरी पर निर्भर नहीं करेंगी। पेट्रोलियम और नैचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड (पीएजीआरबी) ने नए यूनिफाइड टैरिफ फ्रेमवर्क को मंजूरी दे दी है, जिससे अब देश के अधिकतर हिस्सों में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की कीमतें घट सकती हैं।
यूनिफाइड टैरिफ सिस्टम यानी अब तक देश को तीन टैरिफ जोन में बांटकर उपभोक्ताओं से अलग-अलग दरों पर शुल्क लिया जाता था। जो उपभोक्ता गैस ट्रांसपोर्ट नेटवर्क से ज्यादा दूर रहते थे, उन्हें ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते थे। लेकिन अब इस ढांचे को तीन से घटाकर दो जोन में बदलने की तैयारी है, जिससे दूर-दराज के इलाकों में रहने वालों को ज्यादा राहत मिलने की उम्मीद है।

नए अपडेटेड मॉडल्स पर काम कर रही टीवीएस मोटर

नई दिल्ली। हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर टीवीएस मोटर कंपनी ने एक टीजर वीडियो जारी किया है, जिससे यह साफ संकेत मिल रहा है कि पॉपुलर बाइक्स अपाचे आरटीआर 160 2 वी और अपाचे आरटीआर 180 2 वी के नए अपडेटेड मॉडल्स पर काम कर रही है। इन दोनों बाइक्स को जल्द ही भारतीय बाजार में लॉन्च किया जा सकता है। हालांकि कंपनी ने इन बाइक्स से जुड़ी ज्यादा जानकारियां साझा नहीं की हैं, लेकिन ऑटो इंडस्ट्री से जुड़ी रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपडेटेड बाइक्स में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं।
रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि नई अपाचे आरटीआर 160 और आरटीआर 180 को ओबीडी-2बी (ऑन-बोर्ड डायग्नोस्टिक) नॉर्म्स के अनुसार अपग्रेड किया जाएगा, जिससे ये बाइक्स पर्यावरण के अनुकूल बनेंगी। इसके अलावा, इन बाइक्स में विजुअल अपग्रेड्स और कुछ नए फीचर्स भी जोड़े जा सकते हैं, जैसे नई पेंट स्कीम, ग्राफिक्स और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर। मौजूदा अपाचे आरटीआर160 में 159.7सीसी का सिंगल-सिलिंडर, एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 15.82बीएचपी की पावर और 13.85 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

हुंडई कर रही वेन्यू के नेक्स्ट जनरेशन मॉडल पर काम

नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया कंपनी अपनी सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू के नेक्स्ट जनरेशन मॉडल पर काम कर रही है, जिसे भारत में फेस्टिव सीजन के आसपास लॉन्च किया जा सकता है। नई वेन्यू के डिजाइन, फीचर्स और इंटीरियर में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। वेन्यू, क्रेटा के बाद हुंडई की दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार है और इसने देश में 6 साल का सफर पूरा कर लिया है। नेक्स्ट जनरेशन वेन्यू का कोडनेम क्यूयू2आई है और इसकी टेस्टिंग भारत समेत कई देशों में शुरू हो चुकी है। भारत में इसे महाराष्ट्र के तालेगांव प्लांट में तैयार किया जाएगा।

मीशो को आईपीओ लॉन्च करने की शेयरधारकों से मिली मंजूरी

कंपनी का लक्ष्य 4250 करोड़ की पूंजी जुटाना

- जापानी निवेशक सॉफ्टबैंक के पास कम कीमत पर मूल्य खुदरा बिक्री पर केंद्रित ई-रिटेलर में करीब 10 फीसदी हिस्सेदारी है

एजेंसी

बेंगलुरु। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो को अपना शुरूआती आईपीओ लॉन्च करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। अब कंपनी बाजार नियामक सेबी के गोपनीय रूट के तहत अपना ड्राफ्ट आईपीओ प्रॉस्पेक्टस दाखिल करेगी। बता दें कंपनी का लक्ष्य आईपीओ के जरिए 4250 करोड़ रुपये यानी करीब 500 मिलियन डॉलर की पूंजी जुटाना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मीशो की बोर्ड बैठक में आईपीओ प्रस्ताव के अलावा कंपनी के फाउंडर विदित आत्रे को चेयरमैन, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ नियुक्त करने की योजना को भी मंजूरी दी गई है। बताया जा रहा है कि प्रस्तावित आईपीओ में 4,250 करोड़ रुपए तक के इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू और कंपनी के कुछ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल होगी। बता दें निवेशक एलिवेशन कैपिटल, पीक एक्सवी पार्टनर्स और प्रोसस मीशो के सबसे बड़े संस्थागत शेयरधारकों में से हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास 13 से 15 फीसदी हिस्सेदारी है। जापानी निवेशक सॉफ्टबैंक के पास कम कीमत पर मूल्य खुदरा बिक्री पर केंद्रित ई-रिटेलर में करीब 10 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी के अन्य निवेशकों में वेस्टब्रिज कैपिटल, फिडेलिटी जैसे निवेशक शामिल हैं। मीशो की आखिरी फंडिंग राउंड 550 मिलियन डॉलर का था। इसके जरिए मूल्यांकन लगभग 3.9 बिलियन डॉलर का था। इस राउंड में पीक एम्सवी पार्टनर्स और वेस्टब्रिज कैपिटल जैसे मौजूदा बैकर्स के अलावा टाइगर ग्लोबल, थिंक इन्वेस्टमेंट्स और मार्स ग्रोथ कैपिटल जैसे नए निवेशकों ने हिस्सा लिया। वहीं, मीशो ने 1.1 मिलियन ऑप्शन जोड़कर अपने 2024 कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन प्लान (ईसॉप) का विस्तार किया है। मीशो की प्रतिद्वंद्वी कंपनी, वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट है। इस कंपनी का आईपीओ भी लॉन्च होने वाला है। कंपनी अगले साल आईपीओ से पहले सिंगापुर से भारत में अपना निवास स्थान बदलने की प्रक्रिया में है।

सेव अर्थ मिशन ने की ग्लोबल विजन अनवीलिंग कार्यक्रम की घोषणा

जमशेदपुर। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सिर्फ 1 घंटे में 5 लाख से अधिक पेड़ लगाकर सेव अर्थ मिशन ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ ऐतिहासिक पहल की। इस रिकॉर्ड को फोर्बेस, फॉक्स, बिजनेस इनसाइडर सहित राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सराहना मिली। अब संगठन ने अपनी सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पहल सेव अर्थ मिशन ग्लोबल विजन अनवीलिंग कार्यक्रम की घोषणा की है। यह आयोजन 3 जुलाई 2025 को शाम 6 बजे गिफ्ट सिटी क्लब, अहमदाबाद में होगा। कार्यक्रम में सेव अर्थ मिशन की वैश्विक रणनीति की शुरूआत होगी, जिसका लक्ष्य वर्ष 2040 तक 30 अरब पेड़ लगाना और नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करना है। इस अवसर पर दुनिया भर से संगठन के नेता, प्रतिनिधि और स्वयंसेवक जुटेंगे। सेव अर्थ मिशन भारत चैप्टर के अध्यक्ष संदीप चौधरी ने कहा, 'यह पूरे विश्व के लिए गर्व का क्षण है। अहमदाबाद ने वैश्विक जलवायु एकता की मिसाल कायम की है। मैं इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय वृक्षारोपण अभियानों और सहयोग की रूपरेखा साझा करूंगा।

एमएनआरई ने ऊर्जा परियोजनाओं के लिए संशोधित दिशा-निर्देश किए अधिसूचित

जैव अपशिष्ट से ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दें : एमएनआरई

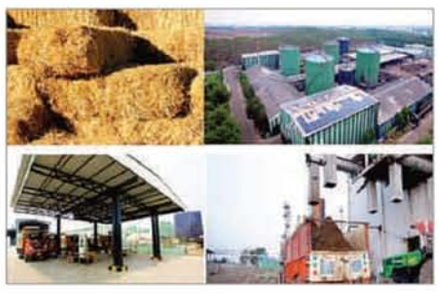

एजेंसी

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने प्रदर्शन निगरानी और तेजी से सीएफए वितरण को बढ़ाने के लिए अपशिष्ट से ऊर्जा परियोजनाओं के लिए संशोधित दिशा-निर्देश अधिसूचित किए हैं। यह राष्ट्रीय बायो एनर्जी कार्यक्रम का एक हिस्सा है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि एमएनआरई ने राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम के तहत अपशिष्ट से ऊर्जा (डब्ल्यूटीई) कार्यक्रम के लिए संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन संशोधनों का उद्देश्य भारत में जैव अपशिष्ट से ऊर्जा के उपयोग के लिए अधिक कुशल, पारदर्शी और प्रदर्शन-उन्मुख पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है। मंत्रालय के मुताबिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, वित्तीय सहायता में तेजी लाने और संयंत्र के प्रदर्शन के साथ समर्थन को संरेखित करके, अद्यतन दिशा-निर्देश निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के लिए व्यवसाय करने में आसानी को बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। नए ढांचे के तहत मंत्रालय ने कई प्रक्रियाओं को सरल बनाया है, जैसे कि कागजी कार्रवाई में कटौती और अनुमोदन आवश्यकताओं को आसान बनाना, जिससे उद्योग विशेष रूप से एमएसएमई को सीबीजी, बायोगैस और बिजली का उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इस साल अदाणी समूह की ब्रांड वेल्यू 82 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। अदाणी समूह इस साल सबसे तेजी से बढ़ने वाला भारतीय ब्रांड बन गया है। इसकी ब्रांड वैल्यू 82 प्रतिशत बढ़ गई है। लंदन स्थित ब्रांड फाइनेंस की सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड 2025 रिपोर्ट में कहा गया है कि समूह की वृद्धि का श्रेय एग्रेसिव और इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर फोकस, ग्रीन एनर्जी महत्वाकांक्षाओं में उछाल और प्रमुख हितधारकों में बढ़ी हुई ब्रांड इक्विटी को जाता है। अदाणी ब्रांड का मूल्य 2024 के 3.55 बिलियन डॉलर से बढ़कर 6.46 बिलियन डॉलर हो गया है, जो 2.91 बिलियन डॉलर की वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि समूह की रणनीतिक स्पष्टता, मजबूती और सस्टेनेबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बताया स्वस्थ जीवनशैली का मंत्र

एजेंसी

भोपाल। एक निजी संवाद कार्यक्रम के लिए राजधानी भोपाल पहुंची केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री व अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने स्वस्थ भारत को ही समृद्ध और विकसित भारत की नींव बताते हुए कहा कि स्वस्थ्य जीवनशैली के लिए हमें तेल, चीनी और नमक थोड़ा कम करना होगा, साथ ही तेजी से बढ़ते मोटापे की समस्या को भी ध्यान में रखना होगा। उन्होंने आंकड़े पेश करते हुए अनुमान जताया कि 2050 तक देश के 44 करोड़ लोग मोटापे का शिकार हो सकते हैं। वहीं वर्तमान में देश की 24 फीसदी

महिलाएं व 23 फीसदी पुरुष मोटापे से ग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि मोटापे के खिलाफ लड़ाई को हम सब को मिलकर लड़ना है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने मध्य प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि, मोटापे के खिलाफ इस लड़ाई में आप सभी हमारा साथ दें और अपने आहार को संतुलित रखें, तेल कम, चीनी कम, नमक कम के मंत्र के साथ स्वस्थ जीवनशैली को अपनाएं। इस कार्यक्रम में अपना दल (एस) मध्य प्रदेश इकाई के पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान मध्य प्रदेश प्रभारी व पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आर बी सिंह पटेल, राष्ट्रीय महासचिव 'युवा मंच' डॉ अखिलेश पटेल, राजनीतिक रणनीतिकार डॉ अतुल मलिकराम, वरिष्ठ पदाधिकारी अर्जुन सिंह पटेल, देवेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश कार्यालय सचिव रोहित चंदेल व अन्य उपस्थित रहे। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प करोड़ों देशवासियों ने साथ मिलकर लिया है।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो में भाग लेने का अंतिम मौका

रांची। दिल्ली की गलियों से लेकर कोल्हापुर की कक्षाओं तक, हजारों छात्रों ने एक साहसी विश्वास के साथ कदम बढ़ाया है। मैं कल के लिए समाधान खोज सकता हूं। अब, जैसे ही सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो रोडशो अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है, भारत के युवा चेंजमेकर्स के लिए अपने आइडियाज को हकीकत में बदलने की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। 30 जून 2025 इस राष्ट्रीय नवाचार प्रतियोगिता सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो में आवेदन करने का आखिरी दिन है। यह चैलेंज 14 से 22 वर्ष की उम्र के युवाओं के लिए है, जिसने पूरे देश में एक नई सोच और बदलाव की लहर पैदा की है। 29 अप्रैल 2025 को शुरू हुए इस कार्यक्रम के तहत छात्रों को मिलते हैं – डिजाइन थिंकिंग टूल्स, सैमसंग और आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों से मेंटरशिप, निवेशकों से संपर्क के अवसर, प्रोटोटाइप बनाने की सहायता और 1 करोड़ रुपये जीतने का मौका। लेकिन इस कार्यक्रम को खास बनाता है इसका उद्देश्य, सिर्फ पुरस्कार नहीं। पिछले कुछ हफ्तों में, देशभर में हुए ओपन हाउस और रोडशो ने दूरदर्शी सोच रखने वाले छात्रों को एक मजबूत मंच दिया है।

ईवी इंफ्रा ने एनपीसीएल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का करेगी विस्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। इंचार्ज ब्रांड के तहत परिचालन करने वाली सवोर्टेक ईवी इंफ्रा ने ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करने नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीएलएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एनपीसीएल में पीएमएस और सस्टेनेबिलिटी के एक प्रमख अधिकारी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एनपीसीएल आरपी-संजीव गोयनका समूह और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के बीच एक

ज्वाइंट वेंचर है। समझौते के तहत दोनों संगठन आवासीय परिसरों, कार्यालय भवनों, कॉमर्शियल सेक्टर और अस्पतालों सहित स्थानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशनों की पहचान, विकास के लिए ज्वाइंट वेंचर से काम करेंगे। एनपीसीएल संभावित स्थलों का सुझाव देकर और बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के साथ समन्वय स्थापित करके इस प्रयास का समर्थन करेगा। पहले चरण में ग्रेटर नोएडा की दो रिहायशी सोसायटियों में ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाए जा चुके हैं। स्टेलर जीवन में इंचार्ज ने 7.4 किलोवाट और 10 किलोवाट के एसी चार्जर लगाए हैं। ऐस डिविनो में, साइट में 40 किलोवाट का डीसी चार्जर और 10 किलोवाट का एसी चार्जर है, जिसमें एक साथ तीन दोपहिया वाहनों को चार्ज करने की क्षमता है। इंचार्ज के सीईओ ने कहा एनपीसीएल के साथ यह साझेदारी पूरे देश में एक स्मार्ट और स्केलेबल ईवी चार्जिंग नेटवर्क बनाने की दिशा में हमारी यात्रा में एक निर्णायक मील का पत्थर है।

केनरा बैंक के सीईओ ने वित्त मंत्री को सौंपा 2,283.41 करोड़ का लाभांश चेक

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2,283.41 करोड़ रुपये का लाभांश का चेक सौंपा। यह हस्तांतरण इस वित्तीय वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है। वित्त मंत्री कार्यालय ने जारी किए गए बयान में बताया कि केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के. सत्यनारायण राजू ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2,283.41 करोड़ रुपये का लाभांश का चेक सौंपा। के. सत्यनारायण राजू के साथ केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक हरदीप सिंह अहलूवालिया, भावेंद्र कुमार और एसके मजूमदार भी मौजूद रहे।

टाटा हैरियर ईवी ने हासिल की 5-स्टार रेटिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी, टाटा हैरियर ईवी ने सुरक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए भारत एनकैप क्रैश टेस्ट में वयस्क और बाल यात्रियों दोनों के लिए 5-स्टार रेटिंग हासिल की है। इसने वयस्क सुरक्षा वर्ग में 32 में से पूरे 32 अंक प्राप्त किए हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इससे पहले हैरियर के डीजल वर्जन को 30.08 अंक मिले थे। हैरियर ईवी का प्रदर्शन महिंद्रा एक्सयूवी.ई 9 के सुरक्षा स्कोर के बराबर रहा है। बाल यात्रियों की सुरक्षा के मामले में भी हैरियर ईवी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 49 में से 45 अंक अर्जित किए हैं। 18 महीने और 3 साल के बच्चों के लिए किए गए आई-साइज चाइल्ड सीट डायनामिक टेस्ट में इसने 24 में से 24 और चाइल्ड सीट इंस्टॉलेशन टेस्ट में 12 में से 12 अंक हासिल किए। वाहन मूल्यांकन में इसे 13 में से 9 अंक प्राप्त हुए। क्रैश टेस्ट के लिए कंपनी ने अपने सबसे भारी वेरिएंट इंपॉवर्ड+ 75 केडब्ल्यूएच सिंगल और डुअल मोटर मॉडल्स को शामिल किया, जिनका वजन 2,336 किलोग्राम है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें छह एयरबैग्स (टॉप वेरिएंट में सात), ईएसपी, ट्रैक्शन कंट्रोल, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और सभी चार पहियों में डिस्क ब्रेक्स दिए गए हैं। टॉप वेरिएंट में लेवल-2 अडास भी मिलता है। सिंगल-मोटर वेरिएंट की कीमत रुपए 21.49 लाख से रुपए 27.49 लाख (एक्स-शोरूम) है।

मझगांव डॉक कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में नियंत्रण हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली। मिनीरत्न कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में नियंत्रण हिस्सेदारी खरीदने का फैसला किया है। कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी, श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग और रिपेयर फैसिलिटी है। यह कंपनी कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड है। यह मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स का पहला वैश्विक अधिग्रहण होगा। पिछले पांच साल से कम में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयरों में 3672 फीसदी की तेजी देखी गई है। यह सौदा लगभग 52.96 मिलियन डॉलर (करीब 452 करोड़ रुपये) मे तय हुआ है। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स, कोलंबो डॉकयार्ड में यह हिस्सेदारी जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड कंपनी से खरीद रही है।

कैटरीना से लेकर अलंकृता और दीपिका तक बिजनेस में भी नंबर 1

मुंबई। भारतीय मनोरंजन उद्योग उन सुंदरियों से संपन्न है जिन्हें निश्चित रूप से अच्छे रूप, प्रतिभा और बुद्धिमत्ता के उत्कृष्ट मिश्रण के रूप में जाना जाता है। समय-समय पर, हमने देखा है कि हमारे अधिकांश बॉलीवुड सितारे केवल ग्लैमर के बारे में नहीं हैं, बल्कि उससे भी बहुत कुछ हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि हमने देखा है कि उनमें से कुछ लोग सफल उद्यमी बनने के लिए अपने तेज कौशल का अच्छे प्रभाव के लिए उपयोग करते हैं। एक अभिनेत्री के रूप में जीवन और एक उद्यमी के रूप में जीवन के बीच संतुलन बनाना कभी भी आसान नहीं होता है, लेकिन ठीक यही बात उन्हें पूरी ताकत देती है। स्किनकेयर रेंज से लेकर हेल्थकेयर पहल तक, यह देखना वास्तव में अविश्वसनीय है कि कैसे वे अपनी जगह खोजने में कामयाब रहे हैं और स्क्रीन से परे अपनी साइड हसल और महत्वाकांक्षा को पंख देने में कामयाब रहे हैं। तो आज हम भारतीय मनोरंजन उद्योग की तीन ऐसी अभिनेत्रियों पर एक नजर डालते हैं जो उद्यमियों के रूप में एक साथ अभूतपूर्व काम कर रही हैं। कैटरीना कैफः ऑन-स्क्रीन सिजलर होने के अलावा, कैटरीना कैफ ने हमेशा सबसे लंबे समय तक साबित किया है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी बढ़ोतरी रही

- सेंसेक्स 303 अंक उछलकर 84,058.90 अंक पर बंद
- निफ्टी 8.80 अंक बढ़कर 25,637.80 अंक पर बंद

एजेंसी

मुंबई। बीते कारोबारी सप्ताह के दौरान शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर और भारत और अमेरिका के बीच जल्द ट्रेड होने की संभावना से बाजार में निवेशकों के सेंटीमेंट को मजबूती प्रदान की। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों में कारोबार इस प्रकार रहा- अमेरिका की ओर से ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर बमबारी के बाद मध्य पूर्व में बढ़े तनाव के बीच सोमवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 931.41 अंक गिरकर 81,476.76 पर खुला और दिन के कारोबार में 900 अंक से अधिक की गिरावट के बाद कुछ हद तक उबरकर 511.38 अंक की गिरावट के साथ 81,896.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.50 अंक गिरकर 24,971.90 अंक पर खुला और 287.55 अंक गिरकर 24,824.85 पर बंद हुआ। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इजरायल-ईरान युद्ध विराम की घोषणा के बाद भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को जोरदार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 600 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,534.61 पर खुला और 158.32 अंक उछलकर 82,055.11 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी-50 भी मजबूत शुरूआत के साथ 25,179.90 पर खुला और 72.45 अंक बढ़कर 25,044.35 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी के चलते बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को शुरूआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 426.79 अंक बढ़कर 82,481.90 पर खुला और 700.40 अंक उछलकर 82,755.51 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 123.25 अंक चढ़कर 25,167.60 पर खुला और 200.40 अंक बढ़कर 25,244.75 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार की गुरुवार को सपाट शुरूआत हुई।

न्यूयॉर्क में सैमसंग पेश करेगा अपने नए फोल्डेबल स्मार्टफोन

रांची। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स पिछले कई वर्षों से अपने डिवाइस इस सोच के साथ डिजाइन करता आया है कि लोगों को असल में क्या चाहिए। बेहतर परफॉर्मेंस, बेहतरीन कैमरा और स्मार्ट कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं उसी सोच का हिस्सा हैं। अब गैलेक्सी एआई के साथ सैमसंग इससे आगे बढ़ते हुए यह देख रहा है कि लोग अपने डिवाइस के साथ कैसे जुड़ते हैं और उनका इस्तेमाल कैसे करते हैं। जैसे-जैसे एआई तेजी से हमारा नया यूजर इंटरफेस बन रहा है, यह टेक्नोलॉजी के साथ हमारे रिश्ते को भी नए तरीके से परिभाषित कर रहा है। स्मार्टफोन अब सिर्फ ऐप्स और टूल्स का जरिया नहीं, बल्कि एक स्मार्ट साथी बनता जा रहा है जो यूजर के इरादे को समझकर तुरंत प्रतिक्रिया देता है। यह बदलाव हमें प्रतिक्रिया से आगे बढ़ाकर उस स्थिति में ला रहा है जहां एआई के जरिए इरादा तुरंत एक्शन में बदल जाता है। नई पीढ़ी के गैलेक्सी डिवाइस अब एक नए एआई-पावर्ड इंटरफेस को ध्यान में रखते हुए फिर से डिजाइन किए जा रहे हैं और इन्हें ऐसे अत्याधुनिक हार्डवेयर का साथ मिलेगा जो इनकी पूरी क्षमता को सामने लाएंगे। यह भविष्य अब आकार ले रहा है। नौ जुलाई को, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में गैलेक्सी अनपैक्ड का आयोजन करेगा, जहां वह अपने नए फोल्डेबल फोन लॉन्च करेगा।

वसा खाना है आपके लिए अच्छा

आहार और पोषण विशेषज्ञ दोनों ही दादी-नानी की घी-तेल खाने की सलाह को सही मानते हैं। इससे न सिर्फ शरीर की मांसपेशियां व ढांचा मजबूत होते हैं, शरीर की विटामिंस को ग्रहण करने की क्षमता भी बढ़ती है। क्या आप वसा से परहेज रखने की सोच रहे हैं? यदि हां तो एक बार अमेरिकी कृषि विभाग के विशेषज्ञों द्वारा हाल में जारी आहार निर्देश पर भी गौर करें। उनके अनुसार, हर रोज एक या दो अंडे डाइट में शामिल करना टाइप टू डायबिटीज के खतरे और हृदय रोगों की आशंका को कम करता है। हमारे शरीर को हर रोज कुछ वसा की जरूरत होती है। इसके बिना शरीर स्वयं से ट्रीग्लिसराइड, कोलेस्ट्रॉल व अन्य फैटी एसिड नहीं बना पाता। इन्हीं वसा का टूटना शरीर को विकास और अंगों को सुरक्षा देने के लिए ऊर्जा देता है। शरीर वसा में घुलनशील विटामिन्स को बेहतर तरीके से ले पाता है। वनस्पति तेल, घी और मक्खन को अपने आहार में समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। वसा शरीर के मेटाबॉलिज्म, जोड़ व हड्डियों को दुरुस्त रखता है।

घी

आयुर्वेद में प्राचीन समय से गाय के दूध का बना घी उपचार व खाने में इस्तेमाल किया जाता रहा है। सर्वे के अनुसार गाय का घी लिवर में कैंसर के कारक कार्सिनोजेंस का सक्रिय होना कम करता है। सही मात्रा में घी खाने से हृदय रोगों से बचाव होता है। हानिकारक कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी आती है। पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और त्वचा में चमक आती है। हर रोज एक चम्मच घी खाना ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है और वसा की जरूरत को पूरा करता है।

अंडा

अंडे में एमयूएफए और पीयूएफए होते हैं, जो हृदय के लिए लाभकारी हैं। ये विटामिन बी-12 व प्रोटीन से भरपूर होते हैं। सलाद के साथ अंडा खाने से शरीर वसा में घुलनशील कैरेटेनॉएड को ढंग से ले पाता है, जिससे सूजन, दर्द व तनाव कम होता है। बॉडी बिल्डर्स के लिए हर रोज दो और अन्य के लिए हर रोज एक अंडा खाना पर्याप्त है।

मेवा

बादाम, अखरोट और पिस्ते में एमयूएफए प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो रक्तचाप कम करते हैं। ऊर्जा बढ़ाते हैं व कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखते हैं। इसमें प्रोटीन, आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं। पहाड़ी बादाम में ओलिक एसिड और मैग्नीशियम अधिक होता है, जो कैंसर की आशंका कम करता है। नियमित चार से छह बादाम, दो अखरोट और छह पिस्ते खाएं।

चीज

एक दिन छोड़ कर 20 ग्राम चीज खाना आपकी वसा की जरूरत को पूरा कर देता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन बी-12 होते हैं। यह उत्पाद कैल्शियम व प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसकी एक स्लाइस, एक गिलास दूध के बराबर है। चीज नहीं खाते तो सफेद मक्खन, 60 ग्राम तक घरेलू पनीर और 300 ग्राम दही खा सकते हैं।

गर्भवती महिलाएं दें ध्यान

इकतीसवें हफ्ते में बच्चे का वजन बढ़ता रहता है। इस समय उसका वजन करीब साढ़े तीन से चार पाउंड और लंबाई 15 इंच तक होनी चाहिए। बच्चा वसा की परत का विकसित करना जारी रखेगा और हर हफ्ते उसका आधा पाउंड वजन बढ़ता रहेगा। बच्चे के फेफड़े विकसित हो गए है और वे सकुचन द्वारा सांस लेने में सक्षम हो गए है। बच्चा अब गर्भ के बाहर की आवाज को स्पष्ट रूप से सुन सकता है।

ग्रीन टी से प्रभावित होती है प्रजनन क्षमता

आमतौर पर लोगों को ग्रीन टी का अधिक शौक होता हैं सामान्य चाय की तुलना में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती है। लेकिन ये खबर आपको डरा सकती है। एक शोध से सामने आया है कि इसके लगातार सेवन से प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्रीन टी की बढ़ती लोकप्रियता इसका सेवन करने वालों की संख्या को लगातार बढ़ा रही है जो कि गलत है।

मुश्किल समय में कैसे करें बच्चों की देखभाल

हर किसी के जीवन में सुख-दुख लगा रहता है। ऐसे में खुद को संभालना तो संभव है। लेकिन जब एक माता-पिता की भूमिका में रहते हैं तो बच्चों की खास देखभाल करनी होती है। हर परिवार में कभी ना कभी कुछ मुश्किल परिस्थितियां पैदा होती हैं जिनके साथ बच्चों की देखभाल करना मुश्किल हो सकता है। किसी की मृत्यु, बीमारी, तलाक या आर्थिक समस्याएं वो है जिनके बारे में बच्चों को कुछ नहीं बताया या समझाया नहीं जा सकता है। बच्चों के बाल मन पर इसका विपरीत असर ना हो इसलिए आपको खास देखभाल करनी चाहिए।

बच्चों को मुश्किलों से बचाएं

अभिभावक होने के नाते आपकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को दुनिया की भयानक सच्चाई से बचा कर रखें। आपको हर उस चीज से अपने बच्चे को बचाना चाहिए जो उसे नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन हम में से ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं। अगर जीवन में दुख, दर्द, निराशा, असफलता है तो इन सबको हरा कर ही आपको खुशी, सफलता और उम्मीद की किरण भी मिलती है। जीवन में दुख-सुख तो लगे ही रहते हैं लेकिन आपको इन परिस्थितियों से लड़ना आना चाहिए। ध्यान रखिए आप अपने बच्चों के सामने जैसा करेंगे वो वैसा ही सीखेंगे। अगर आप दुख की घड़ी में बिना विचलित हुए अपने बच्चे को अच्छी देखभाल करते हैं तो यह गुण उसमें भी जरूर आएगा।

खुद की देखभाल जरूरी है

बच्चों का खयाल रखने से पहले जरूरी है कि आप खुद का खयाल रखें। अगर आप खुद ठीक नहीं रहेंगे तो बच्चों को कैसे संभाल पाएंगे। अकसर ऐसा होता कि कठिन परिस्थितियों के दौरान आप खाना-पीना छोड़ देते हैं जिससे आपको कमजोरी, चिंता, थकान और चक्कर की समस्या होती है। ऐसे में आप अपने बच्चों की देखभाल कैसे कर पाएंगे। इसलिए पहले खुद को संभालना सीखें जिससे आपके बच्चे की परवरिश पर कोई असर ना हो।

मदद लेने में नहीं है बुराई

अगर इस दौरान खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं तो किसी से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है। आप चाहें तो परिवार में किसी सदस्य या दोस्त की मदद ले सकते हैं। इसके अलावा किसी काउंसलर की मदद लेना भी अच्छा विकल्प है। अगर आपका बच्चा थोड़ा समझदार है तो उसे अपनी समस्या के बारे में बताने में कोई बुराई नहीं है लेकिन अगर बच्चा छोटा है तो उसके साथ हंसने, खेलने से भी आपको दिमागी सुकून मिलता है।

बच्चे के साथ समय बिताएं

इस मुश्किल और तनावपूर्ण समय में अपने बच्चे के साथ समय बीताना भी जरूरी है जैसे उसे पार्क में ले जाना या उसकी मनपसंद आइसक्रीम खिलाने के लिए ले जाना। हो सकता है कि यह सब कुछ करने के लिए आप खुद को तैयार नहीं कर पा रहे हो लेकिन बच्चा इस चीज को नहीं समझ सकता है। इसलिए अगर आप कुछ देर के लिए अपना दुख भूलकर उसकी खुशी में खुश होगें तो आपको भी अच्छा लगेगा।

अदरक कई बीमारियों के लिए रामबाण

अदरक सिर्फ स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि दवा के रूप में भी काम में आता है। अदरक के उपयोग से कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

वजन कम करना- अदरक में थर्मोजेनिक एजेंट नामक तत्व होता है जो वसा को खत्म करने में मदद करता है, जिससे वजन आसानी से कम होता है।

बुखार में आराम- अदरक से बुखार में भी आराम मिलता है। शहद के साथ इसे खाने से बुखार कम होता है।

जोड़ों के दर्द में राहत- अदरक को सुखाकर उसे जायफल के साथ पीसकर तिल के तेल में डालकर पेस्ट बनाया जाता है, उस पेस्ट को जोड़ों पर लगाने से आराम मिल सकता है।

गैस की समस्या से निजात- पिसी हुई सोंठ और कैरम के बीजों को नींबू के रस में भिगोकर छाया में सुखाकर प्रतिदिन सुबह लेने से गैस और पेड़ू के दर्द में आराम मिलता है।

सिरदर्द और बदन दर्द से राहत- सिरदर्द, माइग्रेन, गर्दन और शरीर का दर्द होने पर सूखी अदरक और पानी का लेप बनाकर लगाने से आराम मिलता है।

उल्टी रोकने में सहायक

जी मचलाने, ठण्ड में पसीना आने, चक्कर आने और उल्टी आने जैसी समस्याओं को कम करने में यह बेहद फायदेमंद है।

कैंसर को बढ़ने से राकता है

इसमें कैंसररोधी गुण भी मौजूद होते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं।

पेट दर्द और कब्ज से राहत

पेट दर्द, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में इसे पीसकर हींग और सेंधा नमक के साथ लेने से आराम मिलता है।

लकवे का प्रभाव कम करता है

लकवे के प्रभाव को कम करने के लिए सूखी अदरक का पाउडर, जिगरी और गर्म मसूर की दाल को मिलाकर खाने से फायदा होता है।

आपका फैशन स्टेटमेंट बनेगा स्टाइलिश

मल्टी-टास्किंग रेड कलर से दिखेंगी हॉट

रेड कलर फैशन स्टेटमेंट बन चुका है और यह जल्दी ट्रेंड से जाने वाला भी नहीं। यगंस्टर्स इसके काफी क्रेजी होते हैं। वे रेड के जरिए खुद को ज्यादा हॉट साबित करने की कोशिश करते हैं। अब जबकि ठंड कुछ-कुछ बढ़ने लगी है, रेड से आप अपना फैशन स्टेटमेंट कुछ ज्यादा स्टाइलिश बना सकती हैं। जब बात की जाए मेकअप की तो रेड कलर से बेहतर और कोई नहीं हो सकता। इस सीजन में तो यह कलर मल्टी-टास्किंग बन चुका है। यह सिर्फ होंठों पर नहीं दिखता, बल्कि गालों और आंखों को भी खूबसूरत लुक देता है।

स्किन के अनुसार करें सिलेक्शन

रोजी लिप्स: अगर आपको लिप कलर से बोल्ड दिखने का शौक है तो, आप रेड कलर की लिपिस्टक लगा सकती हैं। रेड लिपिस्टक कई शेड्स में अवेलेबल हैं, जिसे पसंद व स्किन टोन के अनुसार सिलेक्ट किया जा सकता है। अगर आप रेड लिपिस्टक लगा रही हैं तो आई मेकअप लाइट रखें, अगर लिप और आई मेकअप दोनों डार्क होंगे तो लुक लाउड लगेगा।

मैट लिप्स: आप अगर स्पॉट लाइट एंजॉय करती हैं तो मैट शेड आपके लिए बेहतरीन चॉइस है। इससे यह पता चल जाता है कि आप कूल हैं या हॉट। जब आप रेड कलर की मैट लिपिस्टक खरीदने जाएं तो उन पर यह लिखा हुआ जरूर चेक करें, जैसे मैट, 18 घंटे या लॉन्ग लास्टिंग और शीयर या सैमीमैट को अवॉयड करें।

फाउंडेशन के साथ लगाएं पाउडर

ग्लासी लिप्स: अगर आपको ड्रामा पसंद है तो आपके लिए बैस्ट ऑपशन है ग्लॉसी रेड लिपिस्टक। यह आजकल फैशन में भी है। ग्लॉसी रेड लिपिस्टक सेक्सी व बोल्ड लुक देती है और अट्रैक्टिव भी लगती है। ग्लॉसी लिप्स मैट कॉम्पलैक्शन के साथ बेहतरीन दिखते हैं। मैट फिनिश कॉम्लैक्शन के लिए अपने फाउंडेशन के साथ पाउडर का इस्तेमाल करें।

चैरी चीक्स: ब्लश गालों की शेप और चेहरे की रंगत को उभारता है। इसे आमतौर पर गालों के उभार वाले हिस्से पर लगाया जाता है। अगर लाइटली ब्लश अप्लाई किया जाए, तो चीक्स को यूथफुल और नैचुरल लालिमा मिलती है। पाउडर ब्लश लगाने में ब्रश का इस्तेमाल करें। क्रीम ब्लश लगाने में स्पंज का इस्तेमाल करें।

ऑटिज्म जैनेटिक नहीं मेडिकल समस्या, इलाज संभव

आटिज्म पिछले कुछ दशकों से एक गंभीर समस्या बनी हुई है। अमेरिका में यह अनुपात 1975 से पहले 5 हजार बच्चों में से एक बच्चा था जो 2015 में पहुंचते-पहुंचते 50 बच्चों के पीछे एक हो गया- 40 सालों में 100 गुना ज्यादा बढ़ोतरी। एक अनुमान के अनुसार अमेरिका में प्रत्येक वर्ष इन बच्चों की गिनती में 10-17 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है, जबकि भारत में इन बच्चों की संख्या कहीं ज्यादा है। भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार, 2.4 मेल और 2.0 फीमेल एक या एक से ज्यादा किस्म की अपंगता के शिकार हैं। उत्तरी भारत में इन बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर एक शहर और छावनी में इन बच्चों के लिए सेंटर खुल गए हैं। प्रत्येक सेंटर में इन बच्चों की संख्या 30-50 है। ऑटिज्म का इलाज अब संभव हो गया है।

ऑटिज्म के मुख्य लक्षण...

यह बच्चे अपने आप में मस्त रहते है, हड़बड़ाहट, इधर-उधर घूमते रहते हैं,आंखों से आंखें मिलाकर बात नहीं करते, दूसरों की बातों में ध्यान ना देना, बार-बार सूंघना, बिना मतलब हंसना-रोना, एक ही हरकत को बार-बार करना, हाथों को हिलाना, उछलते-कूदते रहना, इनकी समझ कम होती है या बातों का जवाब नहीं दे सकते, खिलौने को फेंकते हैं या तोड़ते हैं, बहुत ज्यादा हाईपर होते है, दूसरों से व्यवहार अच्छी तरह नहीं करते आदि।

लक्षणों को जानने के बाद होता है इलाज

'डीफीट ऑटिज्म नाउ' के अनुसार इन बच्चों का ईलाज पूरी तरह संभव है पर इसके लिए पहले बच्चे के बायोमेडिकल ईलाज, जिसमें सबसे पहले बच्चे के लक्षणों की जांच होती है। फिर लक्षणों का कारण जानने के लिए अलग-2 लैब टेस्ट में से गुजारा जाता है। टेस्टों के आधार पर अलग-2 डॉक्टर जैसे- बच्चों के माहिर, एलोपैथि डॉक्टर, नैचरोपैथ, आयुर्वेद, डायटीशीयन, कैरलथेरापीस्ट, न्युरोथेरापिस्ट, करेनियोसेकरल थैरेपिस्ट एक ही थ्योरी पे चलते हुए काम करते है, व लक्षणों की गहराई में जाकर इलाज करते हैं, जिससे बच्चों के अंदर कुदरती तौर पर सुधार आने लगता है।

ऐसे होता है बीमारी में सुधार...

ऑटिज्म सिर्फ जीन्स की बीमारी नहीं, इसी तरह इसको सिर्फ दिमाग की बीमारी समझना भी वैज्ञानिक भूल है। आटिज्म पूरे शरीर की बीमारी है, आटिज्म से पीड़ित बच्चों में और भी अनेक अंगों के नुक्स होते हैं, जैसे- शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम होना, बार-2 आंत की सोजस होना, पाचन शक्ति कम होना, भारी धातुओं (जैसे- लैड, आरसैनिक, अल्युमिनीयम, पारा, कैडमियम, बेरियम) का ज्यादा होना व पोषक तत्वों का कम होना आदि। जब भारी धातुओं की मात्रा शरीर में बढ़ जाती है तो यह शरीर की कैमिकल व हार्मोन की संरचना को बिगाड़ देती है। जिसका सीधा असर दिमाग के ऊपर होता है। जैसे-2 ये भारी धातुएं शरीर से किलेशन प्रणाली द्वारा बाहर निकाल दिए जाते है।

रेसिपी

अचारी पनीर टिक्का

सामग्री

अचारी मॅरीनेड के लिए: 1/2 कप चक्का दही, 1 टेबल-स्पून हरीमिर्च का आचार, 1 टी-स्पून कटा लहसुन, 1 टी-स्पून सौंफ, 1/4 टी-स्पून मेथी दाना, 1/4 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबल-स्पून राई का तेल, नमक, स्वाद अनुसार

अन्य सामग्री: 2 कप 37 एमएम के चकोर टुकड़ो में कटा पनीर

परोसने के लिए: दहीं वाली पुदीना चटनी

विधि

अचारी मॅरीनेड के लिए: दही, हरी मिर्च का आचार और लहसुन को मिक्सर में डालकर मुलायम पेस्ट बना लीजिए। एक बाउल में निकालकर एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सारी सामग्री को ब्लैंडर में डालकर दरदरा पीस लीजिए। दरदरे पिसे पाउडर और दहीं के पेस्ट को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। एक तरफ रख दीजिए।

कैसे आगे बढ़ें: एक बाउल में पनीर और अचारी मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथ से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। मॅरीनेड किए हुए पनीर के टुकडों को स्कीवर में पिरोकर चारों तरफ से भूरा होने तक बारबेक्यू पर ग्रिल कीजिए। स्कीवर में से निकालकर दहींवाली पुदीना चटनी के साथ परोसिए। **सुलभ सुझाव:** यदि आपके पास हरीमिर्च का आचार नही है तो इस व्यंजन को बनाने के लिए आप किसी भी अन्य अपने मनपसंद आचार का प्रयोग कर सकते है।

आलू चीज क्रोकैट्स्

सामग्री

मिलाकर चीजी भरवां मिश्रण बनाने के लिए: 2 टेबल-स्पून कसा हुआ मोजरैला चीज, 2 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रौसेस्ड चीज, 3 टेबल-स्पून चिली-गार्लिक सॉस,

अन्य सामग्री: 4 कप उबले, छिले और मसले हुए आलू, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून ताजी पीसी हुई कालीमिर्च, 1/2 कप मैदा, 3/4 कप ब्रेड क्रम्बस्, रोल करने के लिए, तेल, तलने के लिए

विधि

आलू, नमक और काली मिर्च को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, हर भाग के छोटे गोले बना लें। बीच से थोड़ा दबाकर गड्ढ़ा बना लें। चीजी मिश्रण का 1 टी-स्पून रखकर दुबारा लंबे गोल आकार का बना लें। मैदा और 3/4 कप पानी को अच्छी तरह मिलाकर एकसर मिश्रण बना लें। प्रत्येक क्रोकेट को मैदा-पानी के मिश्रण में डुबोकर ब्रेड क्रमबस् में सभी तरफ से रोल कर लें। कढ़ाई में मध्यम आंच पर तेल गरम करें और क्रौकेट्स् लडालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकालकर गरमा गरम परोसें।

क्रोएशिया में फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग एन्जॉय कर रहे कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों क्रोएशिया में अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग कर रहे हैं, वहीं शूटिंग के दौरान वह हर पल का आनंद लेते दिखाई दिए। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कई तस्वीर और वीडियो शेयर किए। पोस्ट में कार्तिक बिजी शेड्यूल में भी मौज-मस्ती करते दिखे। अभिनेता तस्वीरों में सुंदर जगहों का आनंद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। पहले वीडियो में वह फुटबॉल खेलते हुए नजर आ रहे हैं। जबकि, दूसरी तस्वीर में वह एक स्थानीय पिज्जा आउटलेट के बाहर पोज देते दिखाई दिए। दूसरी वीडियो में वह एक लाइव सॉन्ग कॉन्सर्ट को एन्जॉय कर रहे हैं। तीसरी वीडियो में वह कार में बैठे हुए अपनी दाढ़ी सेट करवाते दिखाई दे रहे हैं, उनके चारों ओर फिल्म के क्रू मेंबर्स हैं, सभी मिलकर हंसी-मजाक कर रहे हैं।

पोस्ट को शेयर करते हुए कार्तिक ने कैप्शन में लिखा, तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी कुछ दिन पहले, अनन्या पांडे ने क्रोएशिया में कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म का शेड्यूल पूरा किया था। इसको यादगार बनाने के लिए कार्तिक और अनन्या ने अपनी पिछली फिल्म पति पत्नी और वो के हिट ट्रैक धीमे धीमे पर डांस किया था। डांस में दोनों ने गाने का सिग्नेचर हुक स्टेप परफॉर्म किया, वीडियो शेयर कर कार्तिक ने कैप्शन में लिखा, अपनी अनन्या का शेड्यूल रैप हो और हम धीमे-धीमे पर डांस ना करें, ऐसा कैसा हो सकता है।

करण जौहर के प्रोडक्शन में बन रही फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के जरिए दोनों पहली बार किसी बड़े प्रोजेक्ट के लिए साथ में काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन समीर कर रहे हैं। इससे पहले यह जोड़ी साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म पति पत्नी और वो में नजर आई थी, जिसे मुदस्सर अजीज ने डायरेक्ट किया था। यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो कार्तिक इन दिनों अनुराग बसु की रोमांटिक फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म का अभी तक टाइटल सामने नहीं आया है।

इस वजह से एक दशक तक फिल्मों से दूर रहीं जेनेलिया देशमुख

जेनेलिया देशमुख बॉलीवुड की सबसे चंचल अभिनेत्रियों में शामिल होती हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा तेलुगु और तमिल में भी अभिनय किया है। हालांकि एक वक्त ऐसा आया जब उन्होंने फिल्मों से अचानक ब्रेक ले लिया। वह लगभग एक दशक तक फिल्मों से गायब रहीं। उनके फैंस हैरान थे कि अचानक वह लाइमलाइट से दूर क्यों हो गई थीं। जेनेलिया ने इसकी वजह बताई है।

एक दशक तक फिल्मों से दूर रहीं जेनेलिया

जेनेलिया देशमुख फिल्मों से क्यों दूर हो गई उन्होंने इसके बारे में साल 2022 में बात की थी। बॉलीवुड हंगामा से बातचीत के दौरान जेनेलिया ने बताया पिछले 10 वर्षों तक मैं गृहणी थी। मैंने कुछ नहीं किया। मैं वहां सिर्फ रिश्ते के लिए थी। ईमानदारी से कहूं तो वही मेरी जिंदगी थी। उन्होंने बताया गृहणी बनने का काम सबसे कठिन काम है।

जेनेलिया ने परिवार को दी अहमियत

आपको बता दें कि साल 2012 में रितेश देशमुख से शादी करने के बाद जेनेलिया ने फिल्मों में काम करना छोड़ दिया। उन्होंने घर की और मां की जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने अपने बच्चों रियान और राहिल के लिए फिल्मों से दूरी बना ली। हालांकि उन्होंने फिल्मों से संन्यास नहीं लिया था। उन्होंने बस परिवार को ज्यादा अहमियत दी थी।

जेनेलिया में है रियल आकर्षण

जहां कई अभिनेत्रियां ग्लैमरस भूमिकाओं के पीछे भागती हैं, वहीं जेनेलिया अपने आकर्षण के साथ अलग दिखती हैं। जेनेलिया ने बताया कि उन्होंने एक साल में सबसे ज्यादा विज्ञापन करने के लिए अवॉर्ड जीता है। लोग हैरान थे कि एक साधारण दिखने वाली एक्ट्रेस को लोग कैसे इतना ज्यादा पसंद करते हैं।

सितारे जमीन पर में किया बेहतरीन काम

जेनेलिया देशमुख साल 2022 में अपने पति के साथ वेद फिल्म में नजर आई। अब जेनेलिया आमिर खान के साथ फिल्म सितारे जमीन पर में नजर आई हैं। इसमें उन्होंने अपने अभिनय से लोगों को हैरान कर दिया है। यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में दिखाया गया है कि एक कोच 10 दिव्यांग बच्चों को बास्केटबॉल सिखाता है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खूब चल रही है।

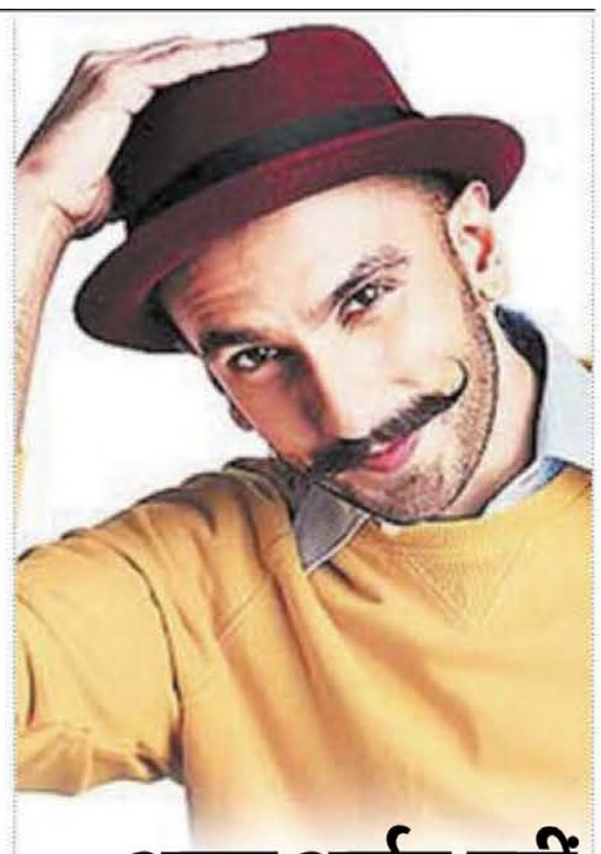

अल्लू अर्जुन नहीं रणवीर ही बनेंगे शक्तिमान

हाल ही में इंटरनेट पर अटकलों की एक नई लहर चली, जिसमें बताया गया कि अल्लू अर्जुन सुपरहीरो सीरीज शक्तिमान में लीड रोल प्ले कर सकते हैं। इस अफवाह ने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया, खासकर तब जब एक्टर मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन के करिश्मे और स्क्रीन प्रेजेंस की तारीफ की। हालांकि, मेकर्स ने अब क्लियर कर दिया है कि इस तरह का कोई कास्टिंग अपडेट कार्ड पर नहीं है। शक्तिमान फिल्म पर काम चल रहा है जो मिन्नल मुरली फिल्ममेकर बेसिल जोसेफ डायरेक्ट करेंगे। उन्होंने शुरू से ही रणवीर सिंह को लीड रोल में लेने को लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। जहां इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट के बारे में अक्सर अफवाहें सामने आती रहती हैं, लेकिन प्रोडक्शन के एक करीबी सूत्र ने नई अपडेट को खारिज कर दिया है।

रणवीर सिंह ही होंगे शक्तिमान

सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया, शक्तिमान कोई और नहीं कर रहा है। यह रणवीर सिंह ही हैं और कोई नहीं। जो कोई भी उनके हटने की अफवाहें फैला रहा है, उसका अपना एजेंडा है। मतलब साफ है कि इस तरह की अटकलों पर पूरी तरह से विराम लग गया। निर्देशक बेसिल जोसेफ ने बॉलीवुड हंगामा से कहा, शक्तिमान केवल रणवीर सिंह के साथ बनाया जाएगा।

अल्लू अर्जुन को मुकेश खन्ना का सपोर्ट

पिछले साल मुकेश खन्ना ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक बयान दिया था। आधिकारिक तौर पर किसी का समर्थन किए बिना मुकेश खन्ना ने सुपरहीरो के रोल में अल्लू अर्जुन के बारे में बात की थी और कहा, मैं कमिट नहीं कर रहा हूं, बोल भी नहीं रहा हूं, जज भी नहीं कर रहा हूं लेकिन शक्तिमान बन सकता है वो। असल जिंदगी में भी अच्छा लुक है अच्छी हाइट है... इनके बारे में कहा जा सकता है, सोचा जा सकता है।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2

मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन के अभिनय और पुष्पा 2 की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, फिल्म सिर्फ पैसा फेंकने से नहीं बनती। हर फ्रेम बताता है कि उन्होंने अच्छा काम किया है। जब आपको खुद पर भरोसा होता है, तो आप दर्शकों को भी कायल कर देते हैं।

स्पेशल ऑप्स 2 से विकास मनकतला की बहुप्रतीक्षित एंट्री

विकास मनकतला ने अपने ओटीटी करियर की धमाकेदार शुरुआत स्पेशल ऑप्स 2 से कर दी है। नीरज पांडे के इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट में शामिल होना उनके 19 साल लंबे करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ है। टीवी से शुरुआत करने वाले इस अभिनेता ने 2006 में चर्चित शो लेफ्ट राइट लेफ्ट से लोगों का दिल जीता था और तभी से वे कई टेलीविजन शोज़ में अपने अभिनय की छाप छोड़ रहे हैं। लगभग दो दशकों की मेहनत और सफर के बाद, विकास अब ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं और वह भी एक ऐसी सीरीज़ के साथ, जो पहले से ही अपनी थ्रिलिंग स्टोरीटेलिंग और दमदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती है। इस बदलाव को सिर्फ माध्यम का बदलाव नहीं, बल्कि एक कलाकार के रूप में उनके नए अध्याय की शुरुआत माना जा सकता है। विकास ने अपनी तैयारी के बारे में बोलते हुए कहा, स्पेशल ऑप्स 2 के लिए तैयारी सिर्फ शारीरिक नहीं थी, असली चुनौती थी उस एजेंट की मानसिक स्थिति को समझना। वह मानसिक मजबूती, पल में निर्णय लेने की ताकत और उस जीवन की भावनात्मक कीमत। और यह सब नीरज सर की दूरदृष्टि और मार्गदर्शन से ही मुमकिन हो पाया। हम सभी ने स्क्रीन पर असलियत लाने के लिए दिल से मेहनत की है। यह एक ऐसा रोल है, जो पूरी तरह से समर्पण माँगता है और हमने कोई कसर नहीं छोड़ी। आज जो प्यार मिल रहा है, उसके लिए दिल से आभार है। विकास की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि सच्ची प्रतिभा और निरंतर प्रयास का फल जरूर मिलता है। स्पेशल ऑप्स 2 में उनके किरदार को लेकर फैन्स में खासा उत्साह है, और हर कोई देखना चाहता है कि ये अनुभवी अभिनेता इस हाई-ऑक्टेन सीरीज़ में क्या नया लेकर आ रहे हैं।

फातिमा ने कास्टिंग काउच पर की बात

अभिनेत्री फातिमा सना शेख इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मेट्रो इन दिनो' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान फातिमा ने मी टू अभियान और कास्टिंग काउच को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि मी टू अभियान के बाद इंडस्ट्री में कैसे चीजें बदली हैं और क्या बदलाव आया है।

चीजों में आया है बदलाव

बातचीत के दौरान फातिमा ने कहा कि मी टू अभियान के बाद इंडस्ट्री में एक बदलाव देखने को मिल रहा है। काफी हद तक चीजें बदली हैं और जवाबदेही बढ़ी है। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे लगता है कि चीजें बदल गई हैं। लोग बहुत ज्यादा जवाबदेह हैं। वे थोड़े ज्यादा डरे हुए हैं। आज ज्यादातर फिल्म सेट पर दुराचार की शिकायतों को पुलिस मामलों में बढ़ने से पहले ही संबोधित करने के यूनिट हैं, ताकि आप उनसे इस मामलों से जुड़ी शिकायतें कर सकें। इन मुद्दों पर बातचीत को अब ज्यादा गंभीरता से लिया जाता है। अब बातचीत होती है। जांच होती है। यह हर इंडस्ट्री में होती है।'

यह एक पुरुष प्रधान इंडस्ट्री है

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'आप किसी के साथ काम कर रहे हैं, आप इंटीमेट हो गए हैं। लेकिन फिर आप समझ नहीं पाते, चीजें बदल जाती हैं। ये सब अक्सर होता है। संदेह का लाभ अक्सर सही ढंग से, महिलाओं को दिया जाता है। क्योंकि यह एक पुरुष प्रधान इंडस्ट्री है। और अब, मी टू के बाद, महिलाएं इसके बारे में बात कर सकती हैं। आपको जवाबदेह ठहराया जाएगा।'

अपने अनुभवों को बताते हुए अभिनेत्री ने कहा कि मैंने बॉलीवुड में इसका सामना नहीं किया है। ऐसा नहीं है कि इंडस्ट्री खराब है। कोई भी घटना जो हुई है, वह बस एक छोटी सी, छोटी-मोटी बात और कोई बातचीत थी। इस तरह के मुद्दे केवल फिल्म सेट तक ही सीमित नहीं हैं। असल में कॉर्पोरेट जगत में भी यह समस्या उतनी ही गंभीर है। जब आप साथ होते हैं तो कॉर्पोरेट इंडस्ट्री ही जीवन है। इसलिए वहां यह और भी अधिक है। और भी अधिक खतरनाक है।' इस दौरान फातिमा ने पॉश की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस एजेंसी में कलाकारों, क्रू और सभी एचओडी के साथ आप बैठक कर सकते हैं। आपको बताया जाएगा कि आपके अधिकार क्या हैं, क्या उचित है, क्या नहीं।

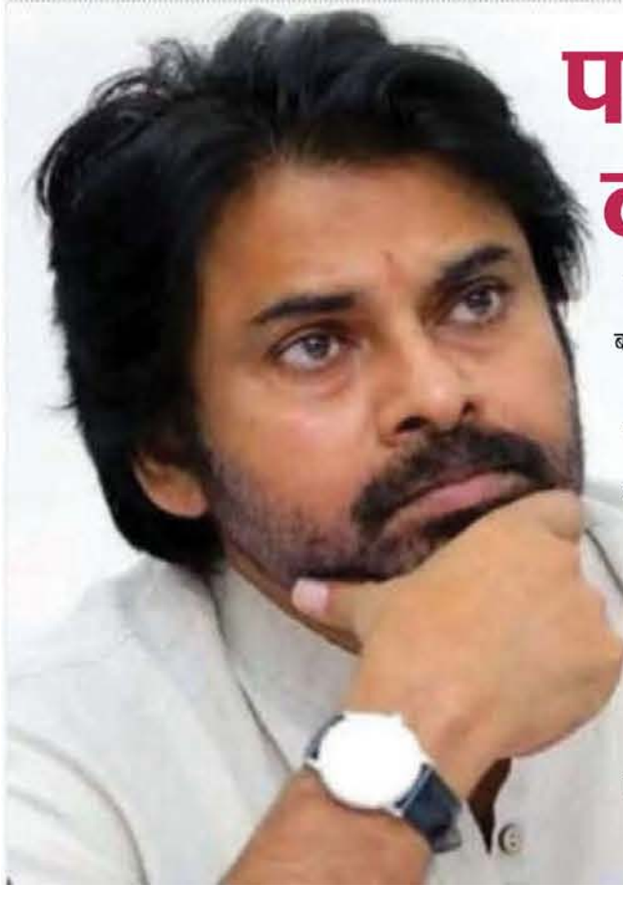

पवन कल्याण ने बॉलीवुड को कहा मजाक का पात्र

तेलुगू स्टार और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बॉलीवुड के खिलाफ अपने हालिया बयानों से सबका ध्यान खींचा है। एक्टर आगे अपनी दो बड़ी फिल्मों की रिलीज की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे साउथ सिनेमा अपनी भारतीय जड़ों के प्रति अधिक सच्चा रहा है, जबकि बॉलीवुड अधिक व्यवसायिक हो गया है। हाल ही में ऑर्गनाइजर वीकली से बातचीत में पवन कल्याण ने भारतीय सिनेमा शब्द को खारिज कर दिया और इस बारे में बात कि कैसे हर फिल्म इंडस्ट्री ने अपनी व्यक्तिगत ताकत दिखाई है। आगे बढ़ते हुए उन्होंने बताया कि कैसे भारतीय जड़ों से जुड़ी हिंदी फिल्में मिलना बेहद मुश्किल है क्योंकि बॉलीवुड एक इंडस्ट्री के रूप में अधिक बिजनेस माइंडेड और पैसे के प्रति समर्पित हो गया है। इसे एक मजाकिया बात बताते हुए उन्होंने कहा, समय के साथ यह अलग-अलग पीढ़ियों से आए फिल्ममेकर्स के कारण बदल गया। खासकर, हिंदी सिनेमा। तब से कुछ ऐसी फिल्में हैं जिन्होंने सांस्कृतिक रूप से जुड़े कैरेक्टर्स को मजाक बना दिया है।

पवन कल्याण ने आगे बताया कि कैसे बॉलीवुड की तुलना में साउथ सिनेमा ने लगातार भारतीय संस्कृति का अधिक प्रतिनिधित्व करने का प्रयास किया है। एक्टर के अनुसार हिंदी सिनेमा ने शायद ही कभी पारंपरिक रूप से जुड़ी हुई फिल्में बनाई हैं, जैसे आमिर खान की दंगल जो भारतीय संस्कृति का बढ़िया उदाहरण है। उन्होंने कहा, आजकल साउथ की फिल्में भारतीय संस्कृति का ज्यादा प्रतिनिधित्व कर रही हैं। हिंदी सिनेमा में भी कुछ समय से ऐसा हो रहा है। उदाहरण के लिए, अगर आप दंगल देखें, तो दंगल भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। यह एक ऐसी फिल्म थी जिसका आपकी भारतीयता से जुड़ाव है। आजकल उस तरह का सिनेमा दुर्लभ हो गया है। वर्कफ्रंट पर पवन कल्याण अपनी अगली फिल्म हरि हर वीरा मल्लू पर नजर गड़ाए हुए हैं, जो 24 जुलाई, 2025 को बड़े पर्दे पर आने वाली है। इसके अलावा, उनकी अगली फिल्म दे कॉल हिम ओजी है, जो इस साल 25 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा उनके कैलेंडर में उस्ताद भगत सिंह भी शामिल है।

'निकिता रॉय' के लिए बहन सोनाक्षी सिन्हा परफेक्ट

फिल्म निर्माता कुश सिन्हा ने अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'निकिता रॉय' में बहन सोनाक्षी सिन्हा को मुख्य भूमिका में चुनने की वजह बताई। कुश ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय पूरी तरह से सोनाक्षी के टैलेंट और योग्यता पर आधारित था। बातचीत में कुश ने बताया, मेरे लिए सोनाक्षी इस किरदार के लिए सबसे सही थीं। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय की विविधता कमाल की है। उनकी फिल्में 'अकीरा', 'लुटेरा' और 'दबंग' में उनका काम देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनके पास कमाल के एक्टिंग स्किल्स हैं। वह किरदारों में गहराई से उतरती हैं और स्क्रीन पर शानदार तरीके से निभाती हैं। उन्होंने आगे बताया कि शुरू से ही उन्हें यकीन था कि सोनाक्षी 'निकिता रॉय' के किरदार को जीवंत कर देंगी, वह इस रोल के लिए परफेक्ट हैं। फिल्म 'निकिता रॉय' को निर्देशित करने की प्रेरणा के बारे में कुश ने कहा, मुझे इसकी कहानी ने आकर्षित किया। यह कहानी नई है, जो दर्शकों को बांधे रखेगी। फिल्म के हर एक किरदार जैसे निकिता रॉय, जॉली, अमरदेव और फ्रेया में कुछ न कुछ बेहद खास है, जब किरदार मजबूत होते हैं, तो कहानी अपने आप दमदार बन जाती है। यही इस प्रोजेक्ट को खास बनाता है। उन्होंने बताया, सबसे मुश्किल काम स्क्रिप्ट को बेहतर बनाना था। पवन कृपालानी ने शानदार स्क्रिप्ट लिखी, लेकिन हमें इसे और गहरा करना था। स्क्रिप्ट को फिर से लिखना और उसे निखारना रचनात्मक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण था।

सुपरटेक केपटाउन पर नोएडा प्राधिकरण ने लगाया 35.80 लाख रुपये का जुर्माना

नोएडा (चेतना मंच)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के नियमों का उल्लंघन कर बिना शोधित किए सीवर का जल नाले में बहाया जा रहा था, जिस पर नोएडा प्राधिकरण ने शुक्रवार को सेक्टर-74 स्थित सुपरटेक केपटाउन सोसायटी में सीवर कनेक्शन काट दिया गया था।

उसके बाद सोसायटी पर प्राधिकरण के जल खंड प्रथम की ओर से 35 लाख 80 हजार रुपये जुर्माना लगा दिया है। बताया जाता है कि यह कार्रवाई प्राधिकरण ने पर्यावरणीय कानून जल अधिनियम 1974, वायु अधिनियम 1981, ठोस अपशिस्ट 2000 एवं 2016 के उल्लंघन पर की है।

इस लापरवाही को लेकर समय-समय पर सोसायटी को अवगत भी कराया गया लेकिन न तो सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) को क्रियाशील किया गया, न ही सीवरेज जल को शोधित किया गया। सोसायटी एओए के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने के लिए कोतवाली 113 में जल खंड प्रथम प्रबंधक पवन वर्णवाल की ओर से शिकायत दी है।

बता दें कि 27 जून को प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम शहर का औचक

निरीक्षण करने निकले थे। निरीक्षण के दौरान सोसायटी से निकलने वाले सीवरेज जल को तीन स्थानों पर देखा कि वह मुख्य ड्रेन में बिना शोधित किए ही बहाया जा रहा था। जांच करने पर सामने आया कि यह पूरी तरह से अनशोधित जल है। जिसके बाद प्राधिकरण की जल खंड की टीम सक्रिय किया।

तीन स्थानों पर सीवरेज फ्लो के कनेक्शन को काटा गया। साथ ही नोटिस जारी करते हुए 35 लाख 80 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। संबंधित थाने में एफआइआर भी कराई जा रही है। बता दे अब आठ सोसायटी पर जुर्माना और एफआइआर दर्ज कराई जा चुकी है।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग नहीं लगाने पर पांच लाख रुपये का जुर्माना

जिलाधिकारी ने भूगर्भ जल विभाग के अधिकारियों से कहा कि बारिश के दौरान आवासीय सोसायटी, अपार्टमेंट सरकारी भवनों, कार्यालय आदि में भी भूगर्भ जल रिचार्ज स्ट्रक्चर सिस्टम की स्थिति की गहन समीक्षा की जाए एवं सभी से रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय होने की रिपोर्ट प्राप्त की जाए। जिनके द्वारा रिपोर्ट नहीं दी जा रही उनके खिलाफ पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाए। साथ ही निर्देश दिए कि सभी सरकारी कार्यालयों, भवनों व हाइराइज सोसायटियों में लगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय रहने चाहिए।

नोएडा के 107 गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार

यमुना प्राधिकरण कर रहा 60 करोड़ की लागत से विकास

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना प्राधिकरण जिले के 107 अधिसूचित गांवों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए व्यापक स्तर पर कार्य कर रहा है। लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत से इन गांवों में जल आपूर्ति, सड़क, नाली, तालाबों की सफाई और शैक्षिक संसाधनों के विकास जैसे कार्य तेज़ी से प्रगति पर हैं। इसके तहत 29 गांवों को 'स्मार्ट विलेज' के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिनमें से आठ गांवों में कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

यमुना प्राधिकरण के जीएम प्रोजेक्ट राजेंद्र भाटी के अनुसार, 29 स्मार्ट गांवों में से 11 गांवों में लगभग 90 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य प्रगति पर हैं, जबकि बाकी 10 गांवों की डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार हो चुकी है। जल्द ही इन गांवों में भी निविदाएं जारी कर कार्य शुरू किया जाएगा।

शिक्षा और युवाओं के भविष्य पर विशेष ध्यान

गांवों के प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूलों का भी कायाकल्प किया जा रहा है ताकि ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाया जा सके। इसके अलावा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए 53 गांवों में ई-लाइब्रेरी की स्थापना की योजना है। फिलहाल 5 गांवों में 1.25 करोड़ रुपये की लागत से लाइब्रेरी निर्माण का काम पूरा कर लिया गया है, वहीं 5 अन्य गांवों में 93 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य चल रहा है। शेष 33 गांवों में लाइब्रेरी निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

जल व्यवस्था और स्वच्छता पर भी जोर

गांवों में हैंडपंप, सड़क-नाली निर्माण और जल निकासी के लिए तालाबों की सफाई जैसे कार्य जल्द ही शुरू कराए जाएंगे। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि सभी योजनाओं की निगरानी के लिए स्थलीय निरीक्षण और निविदा प्रक्रियाएं पारदर्शिता के साथ की जा रही हैं।

अपहरण की झूठी साजिश का पर्दाफाश

पायलट समेत दो महिलाएं और पांच आरोपी गिरफ्तार, किसान परिवार सकुशल बरामद

ग्रेटर नोएडा। जेवर पुलिस और स्वॉट टीम ने मिलकर एक बड़े फर्जी अपहरण कांड का खुलासा किया है। पुलिस ने पायलट समेत दो महिलाओं सहित कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिन्होंने षड्यंत्र के तहत एक किसान परिवार को पहले बहला-फुसलाकर ले जाया, फिर बंधक बनाकर रखा और इसके बाद पुलिस व प्रशासन के खिलाफ उच्च न्यायालय में झूठे आरोपों के आधार पर याचिका दाखिल की।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण में पुनर्वासित किए गए रोही गांव के किसान हंसराज, उनकी पत्नी कमलेश देवी और बेटे सौरभ को प्रशासन ने 29 मई को एयरपोर्ट परिसर से हटाकर जेवर बांगर आर एंड आर साइट में भेजा था। इसके बाद परिवार के बेटे सौरभ ने अपने माता-पिता को कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से 4 जून को उन्हें छुट्टी मिल गई।

इस बीच, किसान हंसराज का छोटा बेटा सोनू, कुछ किसान नेताओं और एक पायलट पुत्तन सिंह के संपर्क में आया। इनके इशारे पर उसने उच्च न्यायालय इलाहाबाद में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर यह आरोप लगाया कि उसके परिजनों को पुलिस ने अवैध रूप से हिरासत में रखा है। कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि 7 जुलाई तक किसान परिवार को अदालत में प्रस्तुत किया जाए।

पुलिस जांच के दौरान कई सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचनाओं से यह बात सामने आई कि किसान परिवार को जानबूझकर गायब किया गया है। सूत्रों से जानकारी मिली कि हंसराज और उनका परिवार दयानतपुर निवासी पवन चौधरी के घर में बंधक बनाकर रखा गया है। शुक्रवार को पुलिस ने दबिश देकर किसान परिवार को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार, मास्टरमाइंड पायलट कैप्टन पुत्तन सिंह ने 6 जून को परिवार को इलाज के बहाने अपने कब्जे में लिया। पहले उन्हें नोएडा ले गया, फिर दिल्ली के मैदानगढ़ी में अपनी सास रमा देवी के पास रखा। 14 जून को बीएमडब्ल्यू की डिग्गी में छिपाकर उन्हें दयानतपुर पहुंचाया और पवन चौधरी को सौंप दिया गया। इस पूरे षड्यंत्र में शामिल पुत्तन सिंह, उसकी पत्नी सरोज बाला, सास रमा देवी, प्रमोद और पवन चौधरी को यमुना एक्सप्रेसवे पर फलैदा कट के पास से गिरफ्तार किया गया। घटना में प्रयुक्त बीएमडब्ल्यू गाड़ी भी जब्त कर ली गई है।

सोसायटी की ऊपरी मंजिल से कुत्ते को फेंका, मौत

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सोसायटी में कुत्ते को बहुमंजिला इमारत से नीचे फेंकने का मामला सामने आया है। लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर नाराजगी जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

घटना ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित रेडिकॉन वेदांतम सोसायटी की बताई जा रही है। जहां किसी व्यक्ति ने अपने पालतू कुत?ते को ऊपर से नीचे फेंका है। वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो जाने के बाद लोगों ने घटना की निंदा की है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। इससे पहले भी इस तरह की अमानवीय घटनाएं सामने आ चुकी है। कुछ दिनों पहले ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सोसायटी में एक बच्चे द्वारा कुत्ते के पिल्ले को नीचे बेसमेंट में फेंक दिया गया था। कासना कोतवाली क्षेत्र में आटो से कुत्ते को बांधकर खदेड़ने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था।

धार्मिक पर्यटन का केन्द्र उत्तर प्रदेश

तीथ विकास परिषदों का गठन

- श्री अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद
- श्री देवीपाटन धाम तीर्थ विकास परिषद
- उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद
- श्री विंध्य धाम तीर्थ विकास परिषद
- श्री चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद
- नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद
- श्री शुक्र तीर्थ विकास परिषद

तीथ यात्रियों क लिए सुविधाए और सहायता

- कैलाश मानसरोवर यात्रा हेतु प्रति श्रद्धालु 1 लाख रुपये का अनुदान
- गाजियाबाद में कैलाश मानसरोवर भवन निर्माण
- यात्रा के दौरान यात्रियों को चिकित्सा सुविधाएं
- यात्रा के दौरान यात्रियों के लिए आवास और भोजन की व्यवस्था

प्रमुख धार्मिक परियोजनाएं एवं आयोजन

- श्रीकाशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर निर्माण
- अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण
- अयोध्या दीपोत्सव 2024 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ 25,12,585 दीप प्रज्ज्वलित
- ब्रज रंगोत्सव और काशी की देव-दीपावली
- नैमिष तीर्थ एवं शुक्र तीर्थ का पुनरुद्धार
- वाराणसी में मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा का 100 वर्षों बाद पुनः प्रतिष्ठापन

धार्मिक मेलों का प्रान्तीयकरण

हाथरस 'लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज' प्रयागराज कुंभ मेला,अयोध्या दीपवोत्सव मेला, लखीमपुर खीरी गोला गोकर्णनाथ मेला, सहारनपुर शाकुंभरी देवी मेला, अयोध्या रामनवमी मेला, वाराणसी का देव दीपावली मेला, बुलंदशहर 'कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला अनूपशहर', गोरखपुर खिचड़ी मेला

पर्यटन आँकड़े और आयोजन

- वर्ष 2016 में लगभग 21 करोड़ पर्यटक
- वर्ष 2024 में कुल 66 करोड़ पर्यटकों का आगमन, जिनमें से 14 लाख+ विदेशी पर्यटक
- महाकुम्भ 2025 में देश-विदेश से 66 करोड़ 30 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई

सुविधाओं का विस्तार

लखनऊ, प्रयागराज एवं कपिलवस्तु में हेलीपोर्ट सेवा की सुविधा	नैमिषारण्य तपोस्थली पर वेद विज्ञान अध्ययन केंद्र की स्थापना (सीतापुर)
अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय की स्थापना प्रक्रियाधीन	गोरखपुर में परमहंस योगानन्द जी जन्मस्थली का पुनरुद्धार
अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के रूप में अयोध्या शोध संस्थान का उच्चीकरण	श्रृंगवेरपुर में निषादराज गुह्य पर्यटन स्थल का विकास
कुशीनगर में बुद्धा थीम पार्क परियोजना	चित्रकूट, बरसाना एवं अष्टभुजा-कालीखोह में पीपीपी मॉडल पर रोप-वे

दुबई, थाईलैंड, फ्रांस, जापान, सिंगापुर, ब्रिटेन सहित अन्य देशों में दिखेगी यूपी टूरिज्म की धमक